page 1 and 8 June 3_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/3/2026 12:55 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 मढ़ पुरखू में 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ

5 सबालेंका ने बनाई चौथे राउंड में जगह, रोमांचक मैच में ओसाका को हराया

8 जावेद राणा ने त्रेहगाम विधानसभा क्षेत्र के विकास संबंधी मुद्दों की समीक्षा की

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26 — अधिकतम 38

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-134 | जम्मू तवी, बुधवार 03 जून, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

अल नीनो की आशंका पर केंद्र अलर्ट, किसान हित सर्वोच्चः शिवराज

नई दिल्ली, 02 जून । दक्षिण-पश्चिम मानसून, संभावित अल नीनो प्रभाव, जल उपलब्धता, बीज व्यवस्था, फसल रणनीति और राज्यों की तैयारियों की मंगलवार को कृषि भवन में विस्तृत समीक्षा की गई। इस उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी संबंधित केंद्रीय विभागों, राज्य सरकारों को समन्वय और अग्रिम योजना के साथ काम करने के निर्देश दिए।

चौहान ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि मोदी सरकार पूरी सतर्कता के साथ तैयारी कर रही है और लक्ष्य यह है कि मौसम की चुनौती का असर खेत और किसान पर न्यूनतम रहे। उन्होंने कहा कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और संभावित अल नीनो प्रभाव को देखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं। बैठक में मौसम पूर्वानुमान, जल उपलब्धता, फसलों की स्थिति, बीज एवं अन्य कृषि आदानों की व्यवस्था, राज्यों की तैयारियों और संभावित प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने की कार्ययोजना

पर विस्तार से चर्चा की गई।

चौहान ने स्पष्ट किया कि मौसम संबंधी पूर्वानुमानों को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है, लेकिन किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयास, बेहतर जल प्रबंधन, उन्नत तकनीक, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जलवायु-सहनशील कृषि उपायों के कारण संभावित चुनौतियों का प्रभाव काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उपलब्ध आकलन के अनुसार जलाशयों का भंडारण इस अवधि के सामान्य स्तर के 127.01 प्रतिशत पर है, जिससे

> "मौसम संबंधी पूर्वानुमानों को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है, लेकिन किसानों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है

खरीफ मौसम में सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी और नमी की कमी के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि अब चुनौती केवल वर्षा पूर्वानुमान की नहीं, बल्कि उससे जुड़ी जमीनी तैयारी की है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन राज्यों और जिलों में कम वर्षा, लंबा ड्राई स्पेल या अल नीनो का अपेक्षाकृत अधिक प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहां विशेष निगरानी, सतत समीक्षा और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिला स्तर तक आकस्मिक योजनाएं सक्रिय की जाएं और कंटिन्जेंसी प्लान को केवल कागजी कार्यवाही न माना जाए। जलाशयों के पानी के उपयोग के विषय पर शिवराज ने कहा कि जहां पानी उपलब्ध है, वहां उसका वैज्ञानिक, संतुलित और प्राथमिकता-आधारित उपयोग सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि नहर प्रणाली के अंतिम छोर तक पानी पहुंच

रहा है या नहीं, कमांड एरिया में जल का उपयोग किस प्रकार हो रहा है और सीमित जल से अधिकतम फसल एवं अधिकतम किसानों को किस तरह सुरक्षा दी जा सकती है, इस पर राज्यों को स्पष्ट सलाह दी जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि दो, तीन या चार सप्ताह का वर्षा-अंतराल बनता है, तो उसके लिए भी पहले से स्पष्ट रणनीति होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में पुनर्बुवाई, जीवनरक्षक सिंचाई, कम अवधि वाली फसलें, वैकल्पिक बुवाई योजना और जिला-विशिष्ट सलाह किसानों तक समय पर पहुंचनी चाहिए। बैठक में रोग और कीट प्रबंधन को भी विशेष महत्व दिया गया। शिवराज ने कहा कि अब सरकार के पास पर्याप्त डेटा, तकनीकी प्लेटफॉर्म और संचार व्यवस्था उपलब्ध है, इसलिए किसानों तक सीधे मोबाइल संदेश, सलाह, चेतावनी और फसल संबंधी जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था को और मजबूत किया जाए।

सऊदी अरब से लौटे हज यात्रियों का हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने किया स्वागत

श्रीनगर, 02 जून । जम्मू और कश्मीर से गया हज यात्रियों का पहला जत्था मंगलवार को सऊदी अरब से वार्षिक तीर्थयात्रा से लौट आया। हवाई अड्डे पर जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उनका स्वागत किया।

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 144 तीर्थयात्रियों को लेकर पहली उड़ान दोपहर में पहुंची। हज से लौट रहे तीर्थयात्रियों का हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री ने स्वागत किया उनके साथ उनके सलाहकार नासिर असलम वानी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

जम्मू और कश्मीर और लद्दाख से तीर्थयात्रियों के लिए मंगलवार से शुरू हुई वापसी यात्रा 16 जून तक जारी रहेगी। इस वर्ष जम्मू और कश्मीर से 4,641 तीर्थयात्रियों ने हज किया, जिनमें 2,583 पुरुष और 2,058 महिलाएं शामिल हैं।

खबर संक्षेप

15,000 रुपये रिश्वत लेते वन रक्षक गिरफ्तार

किश्तवाड़, 01 जून । भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को किश्तवार के मारवाह वन प्रभाग में तैनात एक वन रक्षक को आवंटित कार्यों से संबंधित सुरक्षा जमा राशि की शीघ्र रिहाई के लिए शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। जारी एक बयान में प्रवक्ता ने बताया कि एसीबी को एक लिखित शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने आवंटित कार्यों से संबंधित सुरक्षा जमा राशि की शीघ्र रिहाई के लिए शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद आरोपी ने कथित तौर पर 15,000 रुपये की अवैध रिश्वत स्वीकार कर ली। उन्होंने बताया कि रिश्वत देने से इनकार करते हुए शिकायतकर्ता ने आरोपी अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो से संपर्क किया। शिकायत प्राप्त होने पर एसीबी ने गोपनीय सत्यापन किया जिससे प्रथम दृष्टया आरोपी लोक सेवक द्वारा रिश्वत की मांग की पुष्टि हुई। परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 के तहत एफआईआर संख्या 07/2026 एसीबी सेंट्रल पुलिस स्टेशन, जम्मू में दर्ज की गई और जांच शुरू की गई। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान एसीबी द्वारा एक जाल बिछाकर आरोपी लोक सेवक, वसीम अहमद हाप पुत्र मंजूर अहमद निवासी हिद्याल, किश्तवार, जो वर्तमान में वन रक्षक के पद पर तैनात है और मरवाह वन प्रभाग के संभागीय वन अधिकारी के कार्यालय में लेखा कार्य देखता है को शिकायतकर्ता से 15,000 रुपये की मांग करते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा।

आयुष अवसंरचना, पहुंच और स्वास्थ्य पर्यटन को मजबूत करने पर मुख्य सचिव ने दिया जोर

जम्मू, 02 जून। मुख्य सचिव अटल दुल्लू ने आज राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत जम्मू-कश्मीर आयुष सोसायटी के शासी निकाय की बैठक की अध्यक्षता की जिसमें राज्य वार्षिक कार्य योजना 2026-27 को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय को अग्रेषित करने हेतु मंजूरी दी गई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, वित्त आयुक्त सचिव, योजना आयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन निदेशक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। निवारक और समग्र स्वास्थ्य देखभाल में आयुष प्रणालियों के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए मुख्य सचिव

ने निजी हितधारकों के सहयोग से एक सशक्त स्वास्थ्य नीति तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश भर में स्वास्थ्य पर्यटन एक प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरा है और जम्मू-कश्मीर में इसके विश्व स्तर पर प्रशंसित पर्यटन स्थलों को देखते हुए अपार संभावनाएं हैं। केरल, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के उदाहरण देते हुए उन्होंने जम्मू-कश्मीर को एक प्रमुख स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य सचिव ने विभाग को केंद्र शासित प्रदेश के प्रत्येक मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में आयुष जन कल्याण कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रमुख सेवाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इनमें ऑस्टियोआर्थराइटिस और अन्य मस्कुलोस्केलेटल विकारों की रोकथाम और प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम , आयुष मातृ एवं नवजात हस्तक्षेप, आयुष वृद्धावस्था स्वास्थ्य सेवाएं, स्कूली बच्चों के लिए आयुष के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली, आयुष प्रशामक सेवाएं और आयुष मोबाइल चिकित्सा इकाइयां शामिल हैं। उन्होंने इन कार्यक्रमों के लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए इनकी पहुंच और कवरेज को पर्याप्त रूप से बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। मजबूत निगरानी तंत्र की मांग करते हुए दुल्लू ने निदेशक से आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं और शैक्षणिक संस्थानों के नियमित दौरे करने का आग्रह किया ताकि उनके कामकाज का आकलन किया जा सके और गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने विभाग को सरकारी संस्थानों में हर्बल गार्डन स्थापित करने और स्थानीय स्वयं सहायता समूहों को औषधीय जड़ी-बूटियों के प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन में शामिल करने का भी निर्देश दिया ताकि आजीविका के अवसर पैदा किए जा सकें और स्वदेशी औषधीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जा सके।

जीओसी, व्हाइट नाइट कॉर्पस ने राजौरी के गांभिर मुघलान के सामान्य क्षेत्र का दौरा किया

राजौरी, 02 जून । जीओसी व्हाइट नाइट कॉर्पस ने रोमियो के सीआईएफ के जीओसी के साथ मिलकर राजौरी के गांभिर मुघलान के सामान्य क्षेत्र का दौरा किया ताकि ऑपरेशन शेरुवाली की प्रगति की समीक्षा की जा सके और जमीनी स्तर पर परिचालन स्थिति का आकलन किया जा सके।

इस यात्रा के दौरान उन्हें परिचालन डिजाइन, चल रही कार्रवाइयों और सहायता उपायों के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही चुनौतीपूर्ण भूभाग में तैनात सैनिकों का समर्थन करने वाले तार्किक ढांचे की समीक्षा भी की गई।

जीओसी ने परिचालन उद्देश्यों की प्राप्ति में सभी रैंकों के दृढ़ संकल्प, व्यावसायिकता और सूक्ष्म निष्पादन की सराहना की।

और कहा कि उच्च नैतिक मूल्यों, अटूट एकाग्रता और दृढ़ संकल्प से इस कार्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है।

व्हाइट नाइट कॉर्प्स मिशन रेडी, सतत परिचालन उत्कृष्टता के माध्यम से शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है।

बता दें कि इस क्षेत्र में पिछले खुश दिनों से आतंकियों की धरपकड़ लिए सुरक्षाबल अभियान चला रहे हैं

सीबीएसई के अध्यक्ष एवं सचिव को हटाया गया, ओएसएम सेवा खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए समिति गठित

नयी दिल्ली 2 जून। ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) पर उठ रहे सवालों के बीच सरकार ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के अध्यक्ष और सचिव का तबादला कर दिया है तथा ओएसएम सेवाओं की खरीद से संबंधित प्रक्रिया की जांच के लिए एक समिति का गठित की है।सूत्रों के अनुसार अध्यक्ष राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता को मंगलवार को उनके पदों से हटा दिया। इसके अतिरिक्त सरकार ने सीबीएसई की ओएसएम प्रणाली के लिए सेवाओं की खरीद से जुड़े मामलों की जांच के लिए एक सदस्यीय समिति का गठन किया है। कैबिनेट सचिवालय की ओर से मंगलवार को जारी आदेश के अनुसार समिति की अध्यक्षता क्षमता निर्माण आयोग की अध्यक्ष एस. राधा चौहान करेंगी।

समिति को आवश्यकता पड़ने पर अन्य कार्यालयों के अधिकारियों की सहायता लेने का अधिकार भी दिया गया है। समिति को सचिवालय सहायता क्षमता निर्माण आयोग द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। यह ओएसएम प्रणाली के लिए सेवाओं की खरीद प्रक्रिया से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करेगी। समिति अपनी रिपोर्ट एक माह के भीतर कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को सौंपेगी।

गौरतलब है कि सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा के परिणाम आने के बाद यह पूरा विवाद खड़ा हुआ है। छात्रों ने पहले कम अंक आने की शिकायत की थी, जिसके बाद उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपियां उपलब्ध करायी गयी। उत्तर पुस्तिकाओं के मिलने के बाद छात्रों की शिकायतें आने लगीं कि दी गयी कॉपियां उनकी नहीं है, उत्तर पुस्तिका के पन्ने गायब हैं और धुंधले हैं।

सेना ने किशनगंगा नदी में फंसे नागरिकों को बचाया

श्रीनगर, 2 जून। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा के गुरेज सेक्टर में तेज धाराओं के कारण किशनगंगा नदी में फंसे नागरिकों को बचाया है। उन्होंने बताया कि उत्तरी कश्मीर की गुरेज़ घाटी के चकवाली इलाके में सोमवार रात तेज बहाव में नागरिक अपने वाहनों में फंस गए थे। किशनगंगा नदी कश्मीर के भारतीय हिस्से से पाकिस्तान प्रशासित कश्मीर में बहती है जहाँ इसका नाम बदलकर नीलम नदी हो जाता है। कश्मीर घाटी में चल रही गर्मी के बीच नियंत्रण रेखा (एलओसी) के करीब स्थित सुरम्य गुरेज़ घाटी में पर्यटकों की संख्या बढ़ गई है क्योंकि पर्यटक चिलचिलाती तापमान से राहत चाहते हैं। अधिकारियों के अनुसार घटना रात के दौरान हुई जब कई लोगों ने कठिन परिस्थितियों और बढ़ते पानी के बीच खुद को नदी में फंसा हुआ पाया।

दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति माशातिले ने राष्ट्रपति मुर्मु से की मुलाकात, दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई देने पर सहमति

नई दिल्ली, 02 जून । दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति शिपोकोसा पॉलस माशातिले ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-दक्षिण अफ्रीका संबंधों को और मजबूत बनाने, व्यापार बढ़ाने तथा वैश्विक दक्षिण के हितों को आगे बढ़ाने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति मुर्मु ने भारत की पहली यात्रा पर आए माशातिले का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका के संबंध ऐतिहासिक और समकालीन दोनों दृष्टियों से विशेष महत्व रखते हैं। उन्होंने कहा कि साझा मूल्यों और पारस्परिक सम्मान पर आधारित दोनों देशों की बहुआयामी साझेदारी लगातार मजबूत हुई है। वर्ष 1997 में दक्षिण अफ्रीका पहला देश था, जिसके साथ भारत ने रणनीतिक साझेदारी स्थापित की थी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और दक्षिण अफ्रीका हमेशा वैश्विक दक्षिण की मजबूत आवाज रहे हैं। दोनों देशों का उपनिवेशवाद विरोधी संघर्ष का साझा इतिहास रहा है। संयुक्त राष्ट्र, गुटनिरपेक्ष आंदोलन और जी-20 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर दोनों देश न केवल अपने नागरिकों बल्कि व्यापक वैश्विक दक्षिण के लिए शांति

और समृद्धि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिलकर काम कर रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने दोनों देशों के बीच लगभग 15.5 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इसकी संभावनाएं इससे कहीं अधिक हैं। उन्होंने दोनों देशों की कंपनियों के लिए निवेश और कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु अनुकूल नीतिगत वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया।

रूद्रम-II मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण

नयी दिल्ली 02 जून। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु

सेना ने हवा-से-सतह पर मार करने वाली रूद्रम-II मिसाइल का सफल उड़ान परीक्षण किया है। रूद्रम -II भारत की अगली पीढ़ी की स्वदेशी एंटी-रेडिएशन मिसाइल है। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि बेहद कठिन परिस्थितियों और महत्वपूर्ण ट्रेजेक्ट्री के तहत किए गए परीक्षण के दौरान सभी उप-प्रणालियों की क्षमता की पुष्टि हुई। मिसाइलों को दागे जाने के बाद अत्यंत सटीकता के साथ पहले से तय लक्ष्य की ओर निर्देशित किया गया।

सकीना इटू ने पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती पर सत्ता की लालसा रखने का लगाया आरोप

श्रीनगर, 02 जून । जम्मू और कश्मीर की शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री सकीना इटू ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती पर सत्ता की लालसा रखने का आरोप लगाया और उन्हें अनुच्छेद 370 के हनन, राज्य का दर्जा छीनने और केंद्र शासित प्रदेश में मौजूदा संकट के लिए प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार ठहराया।

मीडिया से बात करते हुए मंत्री इटू ने आरोप लगाया कि पीडीपी अध्यक्ष ने जम्मू और कश्मीर से भाजपा को दूर रखने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला द्वारा दिए गए बिना शर्त समर्थन को ठुकरा दिया था। जब वह भाजपा के साथ सरकार में थीं और जब भाजपा ने उन्हें सत्ता से हटाया तब डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने उन्हें बिना शर्त समर्थन दिया था। उन्होंने कहा था कि हमें किसी मंत्रालय या पद की जरूरत नहीं है बस भाजपा को दूर रखें। लेकिन उन्होंने उस समर्थन को ठुकरा दिया क्योंकि वह कुर्सी पर बैठना चाहती थीं।

मंत्री इटू ने कहा कि महबूबा मुफ्ती के भाजपा के साथ गठबंधन के फैसले के कारण ही अंततः इस क्षेत्र का विशेष दर्जा समाप्त हुआ। उन्होंने कहा कि आज आपके

पास न तो राज्य है, न अनुच्छेद 370, न अनुच्छेद 35ए, न नौकरियां। हजारों लोग जेल में हैं। आपके पास घर नहीं है, न ही बची-खुची सत्ता। उन्होंने कहा कि इस महिला ने जम्मू-कश्मीर को बर्बाद कर दिया है।

2019 के बाद की राजनीतिक स्थिति का जिक्र करते हुए मंत्री इटू ने कहा कि डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने एक बार फिर सभी राजनीतिक दलों को एक मंच पर एकजुट होने का निमंत्रण दिया था लेकिन महबूबा मुफ्ती अनुपस्थित रहीं। आज उन्हें सिर्फ सत्ता चाहिए। वह सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। बाकी लोगों के लिए उनमें कोई ईमानदारी नहीं है, कोई वफादारी नहीं है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को बर्बाद कर दिया है।

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1 अक्टूबर से 15 दिनों के लिए सभी उड़ानें रहेंगी निलंबित

श्रीनगर, 02 जून । श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 1 अक्टूबर से 15 दिनों के लिए सभी उड़ानें निलंबित रहेंगी, ताकि रनवे की महत्वपूर्ण मरम्मत और रखरखाव का काम किया जा सके। दो सप्ताह के इस संचालन बंदी से जम्मू और कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र को भारी झटका लगने की आशंका है, क्योंकि यह दुर्गा पूजा के व्यस्त त्योहारों के मौसम से सीधे टकरा रहा है। इस दौरान घाटी में पारंपरिक रूप से पश्चिम बंगाल से भारी संख्या में पर्यटक आते हैं और ट्रैवल ऑपरेटरों को डर है कि इससे भारी वित्तीय नुकसान होगा।

हवाई अड्डे के अधिकारियों के अनुसार पूर्ण बंद से पहले चरणबद्ध रखरखाव कार्य शुरू किया जाएगा। जुलाई से हवाई अड्डे का संचालन हर हफ्ते दो दिनों के लिए बंद रहेगा। यह 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक पूर्ण 15 दिनों के बंद के साथ समाप्त होगा। अधिकारियों ने कहा कि परिचालन सुरक्षा के लिए रनवे की मरम्मत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय वायु सेना की ओर से जारी नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के बाद 6 अप्रैल से ही उड़ान प्रतिबंध लागू हैं। चल रहे इंजीनियरिंग कार्यों के कारण हवाई अड्डे का परिचालन समय काफी कम हो गया है और वर्तमान में उड़ानें केवल सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक ही संचालित हो रही हैं, जो पहले के शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक के समय से बहुत कम है।

अक्टूबर में हवाई अड्डे के बंद होने की आशंका को देखते हुए आतिथ्य और यात्रा क्षेत्र से जुड़े हितधारक अधिकारियों से समयसीमा पर पुनर्विचार करने का आग्रह कर रहे हैं।

मानसून की रफ्तार तेज, उत्तर और मध्य भारत को जल्द मिलेगी भीषण गर्मी से राहत

नई दिल्ली, 02 जून। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी का प्रकोप झेल रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है। दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिससे मध्य और उत्तर भारत में जल्द ही तापमान में गिरावट आने के आसार हैं। वहीं दिल्ली-एनसीआर में भी बुधवार को तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश का अनुमान है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की वर्षा होने के आसार हैं। हवाओं की गति 20-30 किलोमीटर प्रति घंटे रहने की संभावना है। यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 26-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने के आसार हैं। 4 जून को भी यही स्थिति रहने का अनुमान है। इस दिन 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती है, बाद में हवाओं की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटा हो सकती है। यहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37-39 डिग्री सेल्सियस और 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, 5 जून को सुबह से दोपहर से पहले के समय के बीच तेज हवाएं चलने और गरज के साथ हल्की वर्षा होने का अनुमान है। हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा बढ़कर 60 किमी प्रति घंटा तक चल सकती है। फिर रात में भी हल्की बारिश होने के आसार हैं। इस दिन का अधिकतम और

न्यूनतम तापमान क्रमशः 36-38 डिग्री सेल्सियस और 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। आईएमडी के मुताबिक, अगले 48 घंटों के भीतर यानी 4 जून तक साल दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के कई हिस्सों में आगे बढ़ जाएगा। मौसम वैज्ञानिकों ने कई क्षेत्रों में मानसून के सक्रिय होने की संभावना जताई है। इनमें अरब सागर और द्वीप समूह (दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्से, साथ ही लक्षद्वीप द्वीप समूह), दक्षिण भारत (केरल के कुछ और हिस्से और तमिलनाडु के कई इलाके) और बंगाल की खाड़ी (दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-मध्य, पूर्व-मध्य और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के साथ-साथ दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के बचे हुए हिस्से) में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

दूसरी इंडस्ट्री में कैसे मिलेगी जॉब?

अगर आप बॉस या कंपनी से तंग आ चुके हैं, तो जॉब चेंज कर सकते हैं। हालांकि, अगर जॉब प्रोफाइल शानदार है और आपको यहां से आगे जाने का रास्ता नहीं सूझ रहा है, तब आप क्या करेंगे? यह नए सेक्टर में स्विच करने की वजह हो सकती है। अगर आपकी इंडस्ट्री (जिससे आप जुड़े हैं) खराब दौर से गुजर रही है, रेवेन्यू घट रहा है, लोगों की छंटनी हो रही है और एंप्लॉयी ग्रोथ की कोई गुंजाइश नहीं है, तो भी आप दूसरे सेक्टर में स्विच कर सकते हैं।

आप कहां जाएंगे?

टारगेट इंडस्ट्री की पहचान करना पहला कदम होगा। कुछ बातों के आधार पर आप संभावित इंडस्ट्री को शॉर्टलिस्ट कर सकते हैं। पहला, किस इंडस्ट्री ने आपकी इंडस्ट्री या मौजूदा फर्म से प्रफेशनल्स हायर किए हैं। दूसरा, किस इंडस्ट्रीज में उन की वर्ड्स का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके मौजूदा रोल या रिस्पॉन्सिबिलिटी से मेल खाता है। तीसरा, आपकी कंपनी के वेंडर्स दूसरी किस इंडस्ट्री के साथ कम करते हैं। चौथा, मेंटॉर और आपकी इंडस्ट्री के सीनियर प्रफेशनल्स आपको क्या सलाह देते हैं?

कहां मिलेगा पैसा?

एक या दो इंडस्ट्री को सेलेक्ट करने के बाद उन्हें समझने की कोशिश करें। इनके कस्टमर्स कौन हैं? रेवेन्यू कहां से आता है? एनवायरमेंट या मार्केट प्लेस में आए बदलाव का कितना असर इंडस्ट्री की कंपनियों पर पड़ेगा? इस इंडस्ट्री के डिफरेंट कॉम्पिटिटर्स एक-दूसरे से किस तरह से अलग हैं और पैसा कमाने में वे इसका कैसे इस्तेमाल करते हैं?

आप क्या बेच रहे हैं?

आप एक प्रॉडक्ट हैं, जिसे बेचा जाना है। आप चाहते हैं कि आपका नया कस्टमर-यानी टारगेट इंडस्ट्री आपकी स्किल और काबिलियत देखे। इसके लिए आपको नए सेक्टर की जरूरतों को ध्यान में रखकर नए सिरे से रिज्यूमे बनाना होगा। ऐसा करते समय मौजूदा इंडस्ट्री से जुड़े की वर्ड्स और टर्म्स का इस्तेमाल न करें। आप जिस स्किल या अचीवमेंट को दिखाना चाहते हैं, उसे अलग स्टाइल में लिखें और ऐसे वाक्य का इस्तेमाल करें, जो असर डालने वाले हों।

क्या आप क्या जानते हैं?

अब इंडस्ट्री से जुड़े लोगों से कनेक्ट करें। ट्रेड शो, कॉन्फ्रेंस और प्रफेशनल्स नेटवर्किंग साइट्स एंड कम्यूनिटीज शुरुआत करने के लिए अच्छी जगहें हैं। जहां मुमकिन हो, अपने संपर्क से मिलें और वर्क प्रोफाइल को समझने की कोशिश करें।

कैसे बढ़ाए कदम?

बेहतर रिजल्ट के लिए अपने गोल की तरफ छोट-छोटे कदम बढ़ाएं। फैमिली और दोस्तों का सपोर्ट हासिल करने के लिए उन्हें यकीन दिलाएं। यह पक्का करें कि आपने एक ही ऑप्शन तक खुद को सीमित नहीं रखा है। मल्टिपल रोल के लिए अप्लाई करें।

मौकों से भरपूर करियर फिल्ड है

रेडियोग्राफी

किसी भी बीमारी के सफल इलाज के लिए पहले बीमारी की पहचान बेहद जरूरी है. बीमारी की पहचान सिर्फ रोगी के लक्षणों के आधार पर नहीं की जा सकती बल्कि इसके लिए कुछ खास किस्म के शारीरिक परीक्षण भी कराये जाते हैं. ज्यादातर परीक्षण शरीर के अंदरूनी हिस्सों के ही होते हैं. इस किस्म के परीक्षणों को रेडियोग्राफी कहा जाता है. रेडियोग्राफी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में करियर बनाकर मेडिकल सिस्टम का विशेष हिस्सा बना जा सकता है. रेडियोग्राफी के जरिये शरीर के अंदरूनी हिस्से की जांच की जाती है. इससे मालूम किया जा सकता है कि रोगी के किस हिस्से में कौन-सी बीमारी है. रेडियोग्राफी के अंतर्गत एक्स-रे, फ्लोरोस्कॉपी, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग, एंजियोग्राफी और पोसोट्रॉन इमिशन टोमोग्राफी जैसे टेस्ट आते हैं. रेडियोग्राफी के अंतर्गत शरीर के किसी भी हिस्से की थ्री डायमेंशनल इमेज बनायी जाती है. इस इमेज को देखकर ही डॉक्टर यह पता लगाते हैं कि परेशानी की वजह क्या है. शरीर के भीतर हो रहे बदलावों की सही स्थिति जानने के लिए रेडियो इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है. इसे रेडियोग्राफी भी कहते हैं. इस तकनीक के जरिये न सिर्फ शरीर की अंदरूनी व्यवस्था का पता लगाया जाता है बल्कि कैंसर और ट्यूमर जैसी खतरनाक बीमारियों का इलाज भी किया जाता है. इन बीमारियों के इलाज के लिए रेडिएशन तकनीक रेडियोग्राफी के अंतर्गत आती है.

रेडियोग्राफी के क्षेत्र को मुख्यत- दो भागों में विभाजित किया गया है- पहला डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी और दूसरा थेराप्यूटिक रेडियो ग्राफी. डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी मरीज को परीक्षण की प्रक्रिया समझाता है. साथ ही, उसे परीक्षण के लिए तैयार भी करता है. मशीन को किस तरह ऑपरेट करना है, इसकी जिम्मेदारी भी डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफर की होती है. तमाम उपकरणों और रिकॉर्ड के मेंटीनेंस की जिम्मेदारी भी डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफर की होती है. यह फिजीशियन और सर्जन को असिस्ट करने का काम भी करता है.

इसके विपरीत थे राप्यूटिक रेडियोग्राफी का इस्तेमाल बीमारियों के इलाज और कुछ जटिल बीमारियों को जड़ से खत्म करने में हो रहा है. ट्यूमर के इलाज में थेराप्यूटिक रेडियोग्राफी के अंतर्गत इस्तेमाल किया जाने वाला रेडिएशन बेहद नियंत्रित अवस्था में होता है. रेडिएशन की नियत मात्रा से ही ट्यूमर को छोटा किया जाता है. इस क्षेत्र में ऐसे कुशल लोगों की आवश्यकता रहती है, जो रेडियोग्राफी के अंतर्गत आने वाले रेडिएशन को न सिर्फ नियंत्रित कर सकें बल्कि उन्हें यह भी मालूम हो कि किस बीमारी के इलाज के लिए किस स्तर के रेडिएशन की जरूरत होती है. तकनीक के विकास के साथ रेडियोग्राफी का भी विकास होता जा रहा है.

इन दिनों रेडियोग्राफी के जितने भी उपकरण उपलब्ध हैं, वह पहले की तुलना में कहीं ज्यादा तकनीकी रूप से उन्नत हैं. आने वाले समय में इन उपकरणों की तकनीक में बड़े स्तर के फेरबदल होंगे, इस बात की पूरी संभावना है. ऐसे में, रेडियोग्राफी के क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं उपलब्ध हैं. इस क्षेत्र में करियर बनाने वालों के लिए सबसे जरूरी यह है कि उनमें असीम धैर्य हो. तरह-तरह के मरीजों को इस बात का विश्वास दिलाना कि परीक्षण या इलाज के दौरान उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी और वह सुरक्षित मशीन से बाहर निकल आएंगे. एक सफल रेडियोग्राफर वही हो ता है, जो अपनी दिमागी क्षमता और मजबूत इच्छा शक्ति के बल पर मरीज को बिना किसी हिचक के परीक्षण के लिए तैयार कर ले. परीक्षण भले ही दर्दनाक क्यों न हो, लेकिन रेडियोग्राफर मरीज को इस तरह समझाये कि मरीज रेडियोग्राफर पर पूरी तरह भरोसा करने लगे. इसके अलावा, रेडियोग्राफर में नई तकनीक के प्रति दिलचस्पी भी होनी चाहिए.

योग्यता – इस क्षेत्र में करियर बनाने वालों को बायोलॉजी, फिजियोलॉजी में विशेष रुचि होनी चहिए. रेडियोग्राफी से जुड़े कोर्स स्नातक स्तर से शुरू होते हैं. रेडियो ग्राफी का एक साल का सर्टिफिकेट कोर्स भी उपलब्ध है. कुछ संस्थान डिप्लोमा इन डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी और रेडियोथैरेपी का कोर्स भी कराते हैं. यह कोर्स दो साल की अवधि का होता है. इसके अलावा, डिग्री कोर्स के रूप में बीएससी इन रेडियोग्राफी, बीएससी इन मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी में दाखिला लिया जा सकता है. तीन साल के स्नातक स्तर के कोर्स के लिए छात्र का 12वीं में 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना जरूरी है. 12वीं में मैथमैटिक्स, फिजिक्स और केमेस्ट्री विषय होने चाहिए.

संस्थान – ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली अपोलो इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटल मैने जमेंट एंड अप्लाइड साइंसेज, चेन्नई असम मेडिकल कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम बीजे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर चेन्नई मेडिकल कॉलेज, चेन्नई क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर कॉलेज ऑफ एडवांस स्टडीज, चिपलम, महाराष्ट्र दरभंगा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, दरभंगा, बिहार डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, बीदर, कर्नाटक

कॉस्मेटिक सर्जन की तेजी से बढ़ रही मांग

आज के दौर में खूबसूरत दिखने के लिए लोग कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लेने लगे हैं. यही वजह है कि कॉस्मेटिक सर्जन की मांग बढ़ रही है.

इन दिनों हर क्षेत्र में स्पेशलाइज्ड कैंडिडेट्स यानी विशेषज्ञता हासिल कर चुके लोगों की मांग है. इसलिए बेहतर होगा कि पूरी जांच-पड़ताल के बाद ही आप कॉस्मेटिक सर्जन के क्षेत्र को चुनें ताकि आगे बढ़ने के अवसर हमेशा मिलते रहें.

यदि आप मेडिकल के प्रोफेशन में आना चाहते हैं तो कॉस्मेटिक सर्जरी का क्षेत्र नए विकल्प के रूप में आपके लिए तैयार है. यदि रुचि हो तो आप इसमें बेहतर करियर बना सकते हैं.

बढ़ती मांग – अपने नैन-नक्श के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण आज देश की बड़ी आबादी कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा ले रही है. इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के अलावा, मध्यवर्गीय लोग भी खूबसूरत दिखने की चाहत में कॉस्मेटिक सर्जरी का सहारा लेने लगे हैं. यही वजह है कि आज इस क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं देखी जा रही हैं. वास्तव में, कॉस्मेटिक सर्जरी करवाना आज स्टेटस सिंबल बन चुका है. भारत में मुंबई और गोवा ऐसे शहर हैं, जहां बड़ी तादाद में भारतीय व विदेशी, दोनों कॉस्मेटिक सर्जरी के लिए पहुंचते हैं. कॉस्मेटिक सर्जरी के क्षेत्र में दिल्ली भी पीछे नहीं है. अन्य हॉस्पिटल उद्योग की तरह यह क्षेत्र भी अब सेवा उद्योग बन चुका है. विशेषज्ञों की मानें तो कॉस्मेटिक सर्जरी का बाजार आज 30 से 40 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रहा है, जबकि आज महज दो हजार से भी कम कॉस्मेटिक सर्जन हैं.

राहत भरा प्रोफेशन – विशेषज्ञों के मुताबिक, आमतौर पर जिस प्रोफेशन में अच्छा पैसा होता है, उसमें भागदौड़ बहुत ज्यादा होती है, लेकिन इस प्रोफेशन में ऐसी बातें नहीं हैं. एक कॉस्मेटिक सर्जन कुछ महीनों की प्रैक्टिस के बाद एक से सवा लाख रुपये प्रतिमाह तक कमा सकता है. प्राइवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों की कमाई का तो अंदाजा लगा पाना भी मुश्किल.

पहला पायदान है एमबीबीएस – कॉस्मेटिक सर्जन बनने की पहली सीढ़ी है एमबीबीएस का कोर्स. इसके बाद आपको मास्टर ऑफ सर्जरी या एमएस की डिग्री लेनी होगी. फिर प्लास्टिक सर्जरी में तीन साल एमसीएच या डीएनबी का कोर्स करना होगा. अब आप कॉस्मेटिक सर्जरी में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं. गौरतलब है कि कॉस्मेटिक सर्जरी की स्पेशल ट्रेनिंग के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी फेलोशिप हासिल करनी होती है. ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, स्पेन, बेल्जियम, ब्रिटेन, कनाडा, ब्राजील, मैक्सिको और वेनेजुएला जैसे देशों से यह फेलोशिप पूरी की जा सकती है. सामान्य डॉक्टरी पेशे की तरह इमरजेंसी कॉल्स व रात में हॉस्पिटल के चक्कर लगाने की समस्या से भी कॉस्मेटिक सर्जन मुक्त होते हैं. कुल मिलाकर, यह काफी राहत भरा प्रोफेशन है.

शिक्षण संस्थान – कॉस्मेटिक सर्जन की पढ़ाई के लिए अच्छे इंस्टीट्यूट में ही दाखिला लेना चाहिए. इस क्रम में दिल्ली के मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग हॉस्पिटल, मुंबई स्थित ग्रांट मेडिकल कॉलेज और नायर मेडिकल कॉलेज सहित एसएमएस हैदराबाद व स्टैनले मेडिकल कॉलेज, चेन्नई जैसे कुछ नाम शामिल हैं.

नए युग का आगाज – कॉस्मेटिक सर्जरी में लेजर, स्लिम लिपो जैसी नई तकनीक व उपकरणों का प्रयोग होने के कारण नए युग का आरंभ हुआ है. ऐसे मॉडर्न तकनीकों और उपकरणों की सहायता से कॉस्मेटिक सर्जन अपने क्लाइंट्स की हर छोटी-बड़ी ख्वाहिश आसानी से पूरी कर रहे हैं. चूंकि इसके तहत एक नियत समय में शरीर के किसी खास हिस्से की मरम्मत या उसका रूपांतरण किया जाता है, इसलिए एक बड़े हिस्से में इसका क्रेज देखा जा सकता है. लिपोसक्शन, हेयर ट्रांसप्लांट, बोटोक्स, पेट की चर्बी घटाने जैसी प्रक्रियाएं कॉस्मेटिक सर्जरी के दायरे में आती है. अपने बेहतर लुक के लिए या खुद को जवां दिखाने के लिए अकसर फिल्मी सितारों के कॉस्मेटिक सर्जरी कराने या फिर बोटोक्स जैसी तकनीक अपनाने की बातें सुनने में आती हैं. अपने होंठों को खूबसूरत दिखाने के लिए उनकी सर्जरी करा चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को इसमें कोई बुराई नजर नहीं आती. वह कहती हैं कि बॉलीवुड में टॉप पर बने रहने के लिए बेहतर और खूबसूरत दिखना बेहद जरूरी है. मेरे प्रशंसक मुझे हमेशा अच्छा देखना चाहते हैं. उनकी उम्मीदों का मुझ पर भारी दबाव रहता है. ऐसे में, यदि मुझे कॉस्मेटिक सर्जरी करानी भी पड़ती है तो इसमें बुरा क्या है? अगर किसी को लगता है कि कॉस्मेटिक सर्जरी कराने से वह और बेहतर दिख सकता है और उसके आत्मविश्वास में इजाफा हो सकता है तो सर्जरी कराने में मुझे तो कोई बुराई नजर नहीं आती.

फॉरेन लैंग्वेज सीखिए

और बनाइए अपना बेहतरीन कैरियर

फॉरेन लैंग्वेज के जानकार युवाओं के लिए बहुत से करियर ऑप्शंस रहते हैं. आज के युवा खुद को अपडेट करने के लिए अंग्रेजी के साथ फॉरेन लैंग्वेज भी सीख रहे हैं. इन भाषाओं के सर्टिफिकेट कोर्सेस किए जा सकते हैं. जर्मनी, स्पेनिश और चायनीज सभी विदेशी लैंग्वेंज में करियर के अवसर हैं, लेकिन वर्तमान में युवाओं में फ्रेंच भाषा के प्रति ज्यादा लगाव है. करियर काउंसलर्स के मुताबिक विदेशी भाषाओं में करियर की इस समय कई राहें हैं. विदेशी भाषाओं में फ्रेंच भाषा अत्यधिक महत्व रखती है क्योंकि दुनिया में अंग्रेजी के बाद जिस योरपियन भाषा का सबसे ज्यादा महत्व है वह फ्रेंच ही है. फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री के बाद करियर की असीम संभावनाएं बनती हैं. वैश्वीकरण के कारण फ्रेंच भाषा के पाठ्यक्रमों का महत्व तेजी से बढ़ा है. विदेशी दूतावास, कॉर्पोरेट सेक्टर, फ्रांस की कंपनियां अनुवादक, सरकारी विभागों में फ्रेंच भाषा के जानकार, मीडिया क्षेत्र में आदि में फ्रेंच भाषा में बेहतर करियर के कई उजले अवसर हैं. युवा प्रामाणिक तौर पर भाषा की जानकारी से मल्टीनेशनल कंपनियों में अच्छे पदों पर काम कर सकते हैं.

शैक्षणिक योग्यता– 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद युवा सर्टिफिकेट कोर्सेस से विदेशी भाषाओं को सीख सकते हैं. किए जा सकते हैं डिग्री और डिप्लोमा कोर्स– फ्रेंच भाषा के तीन माह में होने वाले सर्टिफिकेट कोर्स के बाद डिप्लोमा और डिग्री कोर्सेस भी किए जा सकते हैं.

इन संस्थानों से आप डिग्री या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं– जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, कोलकाता, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, बेंगलोर विश्वविद्यालय, बेंगलुरू.

करियर काउंसलर्स के मुताबिक विदेशी भाषाओं में करियर की इस समय कई राहें हैं. विदेशी भाषाओं में फ्रेंच भाषा अत्यधिक महत्व रखती है क्योंकि दुनिया में अंग्रेजी के बाद जिस योरपियन भाषा का सबसे ज्यादा महत्व है वह फ्रेंच ही है.

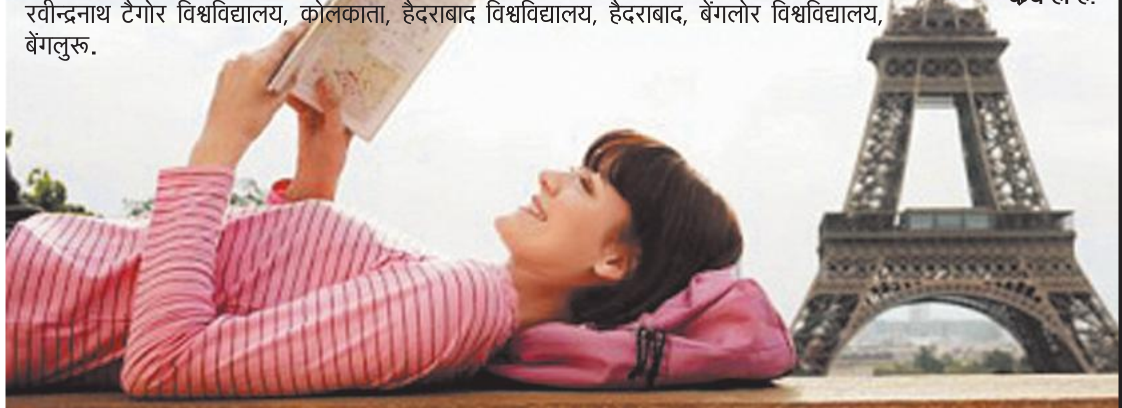

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

हर जरूरतमंद को दिलाएं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री

▶ जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मिले सीएम योगी

▶ सीएम का निर्देश, अधिकारी जन समस्याओं पर दिखाएं त्वरित संवेदनशीलता

***गोरखपुर, 2 जून।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र नागरिक तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। आवास से लेकर इलाज तक, बिटिया की पढ़ाई व विवाह से लेकर निराश्रितों व बुजुर्गों की पेंशन तक, समाज के हर जरूरतमंद के लिए सरकार की अनेक योजनाएं हैं। सभी पात्र लोगों से आवेदन कराकर इन योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाया जाए। सीएम योगी मंगलवार को जनता दर्शन में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे।

सोमवार देर शाम गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंदों को आवास सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन जरूर करें। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि हर पात्र व्यक्ति का संबंधित योजना में आवेदन कराकर लाभ दिलाया जाए।

सीएम योगी ने जनता दर्शन में आए लोगों के प्रार्थना पत्रों को निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। अधिकारी जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। जनता दर्शन में इस बार भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए।

मढ़ पुरखू में 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ

जम्मू, 02 जून (हि.स.)। कृषि उत्पादन एवं किसान कल्याण विभाग जम्मू द्वारा उपमंडल मढ़ के गांव पुरखू में आयोजित किसान जागरूकता कार्यक्रम के दौरान माहभर चलने वाले 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जम्मू उत्तर के विधायक शाम लाल शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 300 से अधिक किसानों, जेकेसीआईपी से जुड़े युवा क्लबों, एनएटीएस कृषि वीरों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। विभिन्न युवा क्लबों ने भी अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाई। अपने संबोधन में विधायक ने कृषि क्षेत्र में युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक, वैज्ञानिक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए गांव-गांव तक पहुंच बनानी होगी। उन्होंने कहा कि 'खेत बचाओ अभियान' का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना नहीं बल्कि इसे किसानों और गांवों से जुड़ा एक व्यापक जनआंदोलन बनाना है।

उन्होंने कहा कि अभियान के तहत कृषि भूमि की सुरक्षा, खेती की लागत में कमी और किसानों को समय पर तकनीकी सलाह उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के संतुलित उपयोग, मृदा परीक्षण आधारित खेती, हरित खाद, जैविक उत्पादों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जाएगा। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को वैज्ञानिक खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण, जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के तहत किसानों को खेत स्तर पर सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए विभागीय टीमें नियमित रूप से गांवों का दौरा करेंगी।

इस अवसर पर विभिन्न विशेषज्ञों, प्रगतिशील किसानों, उद्यमियों और विभागीय अधिकारियों ने भी अपने विचार रखे।

संत कबीर सभा भवन के उन्नयन के लिए 10 लाख रुपये मंजूर

जम्मू, 02 जून (हि.स.)। जम्मू पश्चिम के विधायक अरविन्द गुप्ता ने वार्ड नंबर 40 स्थित कबीर कॉलोनी के संत कबीर सभा भवन के उन्नयन के लिए अपनी निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि (सीडीएफ) से 10 लाख रुपये मंजूर किए हैं। यह घोषणा संत कबीर सभा परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान की गई जिसमें स्थानीय निवासी और सभा समिति के सदस्य भी मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार स्वीकृत राशि का उपयोग सभा भवन की आधारभूत सुविधाओं के विकास और आवश्यक मरम्मत कार्यों के लिए किया जाएगा। इससे सामाजिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर विधायक अरविन्द गुप्ता ने कहा कि सामुदायिक संस्थाएं समाज में सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि संत कबीर सभा लंबे समय से विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से लोगों की सेवा कर रही है तथा भवन के उन्नयन से इन गतिविधियों को और बेहतर ढंग से संचालित किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सार्वजनिक सुविधाओं और सामुदायिक परिसंपत्तियों के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद चमन लाल भगत, मंडल अध्यक्ष अनिल अंगराल, राज कुमार राजी, राज कुमार शर्मा, केशव चोपड़ा, सुच्चा सिंह, दीपक कुमार तथा संत कबीर सभा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जीडीसी महानपुर में स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित

कठुआ, 02 जून (हि.स.)। सरकारी डिग्री कॉलेज महानपुर के एनएसएस यूनिट द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ व नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था।

प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए प्रभावशाली नारों के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. संगीता सुदान के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. रूपाली जसरोटिया ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में निताशा, शिल्पा और पल्लवी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार स्थिर है और अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी : तनवीर

श्रीनगर, 02 जून (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुख्य प्रवक्ता तनवीर सादिक ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेतृत्व वाली सरकार स्थिर है और अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजनीतिक अस्थिरता के दावों को सपना बताकर खारिज कर दिया।

ज़ादिबल से विधायक ने कहा कि व्यापक राजनीतिक एकता के संबंध में कोई भी निर्णय मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में कल होने वाली बैठक के बाद लिया जाएगा।

सादिक ने कहा कि गुपकार समूह एकजुट है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कभी भी सरकार नहीं छोड़ी, अन्य लोगों ने ऐसा किया। हम कल इस पर चर्चा करेंगे।भाजपा पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि जब पार्टी परिवारों को राजनीतिक चर्चा में घसीटती है तो वह गिर जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रम पैदा करने की आदी हैं। जनता ने हमें पांच साल का जनादेश दिया है और नेशनल कॉन्फ्रेंस एक कार्यकर्ता-आधारित पार्टी है। कोई भी नेशनल कॉन्फ्रेंस नहीं छोड़ रहा है। सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। जम्मू में चल रही तोड़फोड़ की कार्रवाई का जिक्र करते हुए सादिक ने चिंता व्यक्त की और आरोप लगाया कि केवल मुस्लिम संपत्तियों को ही निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक सोची-समझी साजिश प्रतीत होती है। इस पर कल की बैठक में चर्चा होगी।

महंगाई डायन खाए जात है की गूंज- कठुआ में कांग्रेस का अनोखा विरोध

कठुआ, 02 जून (हि.स.)। बढ़ती महंगाई और अन्य जनहित मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी कठुआ ने मंगलवार को एक अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष पंकज डोगरा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता शहीदी चैक कठुआ में एकत्रित हुए और फिल्मी गीतों के माध्यम से केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ अपना रोष प्रकट किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने महंगाई डायन खाए जात है जैसे गीत गाकर सरकार पर तीखा तंज कसा और आम जनता की परेशानियों को उजागर किया।इस मौके पर पंकज डोगरा, युवा नेता रॉबिन शर्मा और अन्य कांग्रेस नेताओं ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार आने के बाद से लगातार महंगाई बढ़ रही है जिससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी टैक्स वसूला जा रहा है, जबकि यदि केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी कम कर दे तो पेट्रोल 75 और डीजल 65 प्रति लीटर तक मिल सकता है। नेताओं ने यह भी कहा कि बढ़ती बेरोजगारी के चलते युवा वर्ग निराश होकर नशे की ओर बढ़ रहा है जो गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उज्ज्वला योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि शुरुआत में मुफ्त गैस कनेक्शन देने के बाद अब सिलेंडर की कीमतें 1000 तक पहुंच गई हैं जिससे गरीब परिवारों के लिए गैस भरवाना मुश्किल हो गया है। युवा कांग्रेस अध्यक्ष साहिल अंडोत्रा ने कहा कि 2014 से पहले भाजपा महंगाई के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरती थी, लेकिन अब खुद सत्ता में आने के बाद हालात और भी खराब हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है और जनता को जागरूक होकर इसके खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

तेज हवाओं के बीच पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

अनंतनाग, 02 जून (हि.स.)। मंगलवार को अनंतनाग शहर के गंजीवारा इलाके के पास तेज हवाओं के बीच एक विशाल पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और उसकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि गंजीवारा के पास तेज हवाओं के कारण एक बड़ा पेड़ उखड़ गया जिससे लाल चौक-जीएमसी अनंतनाग सड़क पर यातायात भी बाधित हो गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस और अन्य एजेंसियों ने तुरंत यातायात नियंत्रण अभियान शुरू किया और सड़क के एक तरफ यातायात बहाल कर दिया, जबकि सड़क को पूरी तरह से खोलने के प्रयास जारी थे।

अधिकारी ने बताया कि इस घटना में मोहम्मद रफीक कुजवाल और उनकी पत्नी मरीना जो बराइंगन शांगुस के निवासी हैं घायल हो गए और उन्हें तुरंत सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय (जीएमसी) अनंतनाग में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

हालांकि मोहम्मद रफीक ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया जबकि उनकी पत्नी की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

राइका बंदी घटना के आरोपियों पर पीएसए लगाने की मांग

जम्मू, 02 जून (हि.स.)। हिंदुस्तान शिवसेना के प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत कपूर ने राइका बंदी वन क्षेत्र में पुलिस पर कथित पत्थरबाजी करने वाले लोगों के खिलाफ पब्लिक सेफ्टी एक्ट (पीएसए) के तहत कार्रवाई करने की मांग की है। जम्मू में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि वन भूमि और सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए तथा कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। विक्रांत कपूर ने कहा कि राइका बंदी (बंदी रगोड़ा) क्षेत्र में प्रदर्शन के दौरान हुई पत्थरबाजी के कारण पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए हवाई फायरिंग करनी पड़ी। उन्होंने दावा किया कि इस घटना में कई पुलिसकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी घायल हुए हैं। उनके अनुसार, कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए जम्मू का माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना आवश्यक अनुमति के आयोजित प्रदर्शन के दौरान भड़काऊ भाषण दिए गए, जिसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। कपूर ने कहा कि अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे अभियान का विरोध करने के बजाय कानून का पालन किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे को प्रभावित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की जाए।

जम्मू नगर निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ चलाया अभियान

जम्मू, 02 जून (हि.स.)। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) ने शहर में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाते हुए फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई की।

एंटी एन्क्रोचमेंट ड्राइव के दौरान निगम की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में फुटपाथों पर लगाए गए अस्थायी ढांचे और अन्य अतिक्रमणों को हटाया। अधिकारियों के अनुसार इस अभियान का उद्देश्य पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथों को सुगम बनाना और यातायात व्यवस्था को बेहतर करना है। निगम ने चेतावनी दी कि सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

उत्तर रेलवे

रूचि की अभिव्यक्ति

संख्याः 22-मेड / डब्ल्यूएस / परीक्षण   दिनांक : 01.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक उत्तरी रेलवे, फिरोजपुर के निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र पर रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करते हैं :-

1	कार्य का नाम	फिरोजपुर डिवीजन के जल नमूनों (ई. कोलाई और 80 मापदंडों के अंतर्गत रासायनिक विश्लेषण) के परीक्षण के लिए पैनल में शामिल होने हेतु एनएबीएल से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं से रूचि की अभिव्यक्ति
2	पूर्णता अवधि	प्रारंभ तिथि से दो वर्ष
3	कार्य की अनुमानित लागत	अनुपलब्ध
4	बैंक गारंटी	2 लाख रूपये (सफल बोलीदाताओं के लिए)
5	प्रपत्र / निविदा आवेदन दस्तावेज प्राप्त करने की तिथि और समय	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तरी रेलवे, संभागीय अस्पताल, फिरोजपुर, 30.06.2026, 11:00 बजे तक
6	बोलियां जमा करने का स्थान	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, उत्तरी रेलवे मंडल अस्पताल, फिरोजपुर, 30.06.2026 को 11:30 बजे तक
7	कार्यालय खोलने का स्थान	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / उत्तरी रेलवे / फिरोजपुर, 30.06.2026 को 12:00 बजे।

1856/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

किसान मोर्चा ने आयोजित किया सेमिनार, विद्यार्थियों की वाद-विवाद प्रतियोगिता भी हुई

जम्मू, 02 जून (हि.स.)। भाजपा किसान मोर्चा जम्मू-कश्मीर ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 12 साल विश्वास के विकास के जनकल्याण के अभियान के तहत एक सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व उपमहापौर जम्मू बलदेव सिंह बिल्लौरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि किसान मोर्चा के प्रभारी हतम सिंह नगर और प्रदेश अध्यक्ष राकेश पंत विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। दस स्कूलों के छात्रों ने इसमें भाग लेते हुए राष्ट्र निर्माण विकास, सुशासन और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की और विभिन्न मुद्दों पर अपने दृष्टिकोण रखे।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कृषि, ग्रामीण विकास और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं, कृषि क्षेत्र में हुए विकास और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के प्रयासों का उल्लेख किया। साथ ही किसानों की आय बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए किए गए कदमों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में वाद-विवाद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और विजेता विद्यालयों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, किसान मोर्चा पदाधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

जम्मू, 02 जून (हि.स.)। लगातार बढ़ती महंगाई के खिलाफ जम्मू में कांग्रेस पार्टी ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता रमन भल्ला सहित कई अन्य नेता मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई और आम जनता पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर रोष व्यक्त किया। नेताओं ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई के जरिए लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लूटा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से आम आदमी का जीवन मुश्किल होता जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से महंगाई पर तत्काल अंकुश लगाने और राहत देने की मांग की साथ ही चेतावनी दी कि यदि हालात नहीं सुधरे तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

कठुआ में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल आठवें दिन भी जारी, सरकार का पुतला फूंका

कठुआ, 02 जून (हि.स.)। नगर परिषद कठुआ के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल मंगलवार को आठवें दिन भी जारी रही। इस दौरान कर्मचारियों ने मुखर्जी चौक पर जम्मू-कश्मीर की उमर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन कर अपना रोष प्रकट किया।

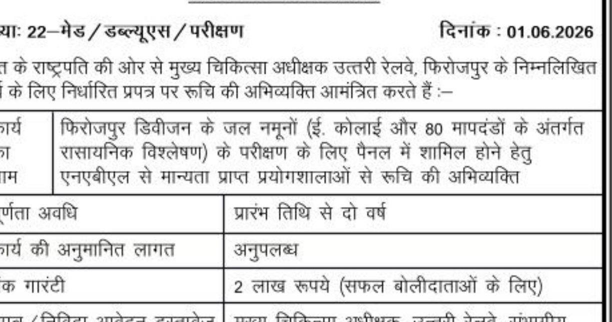

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने कहा कि वे पिछले आठ दिनों से लगातार हड़ताल पर बैठे हैं लेकिन सरकार और प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सभी सफाई कर्मचारियों को नियमित (पक्का) किया जाए वेतन में बढ़ोतरी की जाए और ठेकेदारी प्रथा को पूरी तरह समाप्त किया जाए। कर्मचारियों का कहना है कि मात्र 9000 रुपये मासिक वेतन में परिवार का गुजारा करना मौजूदा महंगाई के दौर में बेहद कठिन हो चुका है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन देकर हड़ताल खत्म करवा दी जाती है लेकिन इस बार वे बिना मांगें पूरी हुए पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

वहीं, कर्मचारियों ने यह भी चिंता जताई कि आगामी दिनों में बाबा अमरनाथ यात्रा शुरू होने वाली है, जिससे पहले ही शहर और आसपास के इलाकों में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पिछले आठ दिनों से सफाई न होने के कारण जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं और बढ़ती गर्मी के चलते बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। खासकर लखनपुर जो जम्मू-कश्मीर का प्रवेश द्वार है और जहां से अमरनाथ यात्रा गुजरती है वहां हालात बदतर बने हुए हैं। कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें खुद इस स्थिति पर दुख है, लेकिन सरकार और प्रशासन की अनदेखी के चलते वे मजबूर हैं। उन्होंने आगाह किया कि यदि जल्द उनकी मांगों को नहीं माना गया तो इसका असर अमरनाथ यात्रा पर भी पड़ सकता है।

संपादकीय

बिना टिकट यात्रा को असंभव बनाएं

यह अच्छी बात है कि उत्तरी रेलवे जम्मू मंडल के गठन के बाद देश के सबसे बड़े परिवहन माध्यम रेलवे के जम्मू अध्याय ने ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाने के लिए क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। टिकट जांच अभियान तेज कर दिया गया है, जिससे उन लोगों के लिए बिना डर यात्रा करना मुश्किल हो गया है जो वैध टिकट नहीं खरीदने के आदी हैं। बताया जा रहा है कि उत्तरी रेलवे के जम्मू मंडल ने मई 2026 के केवल एक महीने में विशेष टिकट जांच अभियान के माध्यम से 66.50 लाख रुपये की आय अर्जित की है।

इस रिपोर्ट के दो पहलू हैं। पहला यह कि रेलवे बिना टिकट यात्रा को रोकने के लिए पूरी तरह सक्रिय है और दूसरा यह कि बिना वैध टिकट यात्रा करने की प्रवृत्ति अभी भी व्यापक रूप से मौजूद है। टिकट जांच और जुर्माना वसूलना ठीक है, लेकिन समय की मांग यह है कि ऐसा तंत्र विकसित किया जाए जिससे बिना टिकट यात्रा करना लगभग असंभव हो जाए।

जैसे प्रथम श्रेणी, एसी द्वितीय श्रेणी और एसी तृतीय श्रेणी डिब्बों में परिचारक मौजूद रहते हैं, जो यात्रियों की देखभाल करते हैं, उसी प्रकार स्लीपर श्रेणी डिब्बों में भी ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए। तैनात परिचारकों को यह जिम्मेदारी दी जानी चाहिए कि वे यात्रियों के ट्रेन में चढ़ते समय उनके टिकटों की जांच करें।

ऐसी व्यवस्था होने से बिना टिकट यात्रा करने वाले लोगों की पहचान करना आसान हो जाएगा और लंबे समय में बिना टिकट यात्रा की संस्कृति समाप्त हो जाएगी। सभी आरक्षित डिब्बों में यात्रियों के वैध टिकट सुनिश्चित करने के बाद केवल सामान्य डिब्बों की जांच की आवश्यकता रह जाएगी, जिससे बिना टिकट यात्रा की समस्या को समाप्त करना आसान होगा। इससे अचानक जांच करने की आवश्यकता भी कम हो जाएगी क्योंकि बिना टिकट यात्रा की संभावना लगभग समाप्त हो जाएगी।

स्लीपर डिब्बों में एक परिचारक को अधिकतम 72 यात्रियों की जांच करनी होगी, जो एक व्यवहारिक लक्ष्य है। जहां तक सामान्य डिब्बों का सवाल है, टिकट यात्रा परीक्षक (टीटीई) यात्रियों की आसानी से निगरानी कर सकते हैं और इस समस्या को जड़ से समाप्त कर सकते हैं।

इसके अलावा, देश के मेट्रो नेटवर्क की व्यवस्था से भी समाधान अपनाए जा सकते हैं, जहां बिना टिकट यात्रा करना लगभग असंभव है। रेलवे के लिए अब समय आ गया है कि वह पारंपरिक सोच से बाहर निकलकर इस समस्या पर नियंत्रण करे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित निगरानी भी इस समस्या को नियंत्रित करने में मदद कर सकती है।

बिना टिकट यात्रा न केवल रेलवे को वित्तीय नुकसान पहुंचाती है बल्कि वैध टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए भी असुविधा पैदा करती है। इसलिए बिना टिकट यात्रा समाप्त करने के लिए एक सुरक्षित और प्रभावी व्यवस्था तैयार करना समय की आवश्यकता है।

वैसे भी, रेलवे का लक्ष्य बिना टिकट यात्रियों से राजस्व प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी व्यवस्था तैयार करनी चाहिए जिससे बिना वैध टिकट ट्रेन में चढ़ना लगभग असंभव हो जाए।

परिचारकों को बिना टिकट वाले किसी भी व्यक्ति को अपने डिब्बे में प्रवेश नहीं करने देना चाहिए। यह एक प्राप्त किया जा सकने वाला लक्ष्य है, जैसा कि प्रथम श्रेणी के डिब्बों में पहले से लागू व्यवस्था में देखा जाता है, जहां कर्मचारियों के पास यात्रियों का पूरा विवरण होता है।

अतिरिक्त परिचारकों की नियुक्ति पर आने वाला खर्च बिना टिकट यात्रा रोकने से होने वाली अतिरिक्त आय से पूरा हो जाएगा, क्योंकि इससे स्वाभाविक रूप से राजस्व में वृद्धि होगी। ऐसे कदम ट्रेन यात्रा को यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक और सुगम बना सकते हैं।

भारत और ओमान द्वारा एक नए आर्थिक गलियारे को गति

श्री राजेश अग्रवाल

भारत और ओमान के बीच वाणिज्यिक रिश्ते सदियों से चलते आ रहे हैं। दोनों देशों काएक साझा इतिहास प्राचीन नावों के पाल पर सवार होकर आगे बढ़ता रहा है और पीढ़ियों से चले आ रहे सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए कायम रहा है। भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) इस सभ्यतागत बंधन को और मजबूत करता है। एक ऐसे दौर में जब वैश्विक व्यापार भू-राजनैतिक प्रतिद्वंद्विताओं, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और बढ़ते संरक्षणवाद से जूझ रहा है, यह समझौता भरोसेमंद साझेदारों के साथ आर्थिक जुड़ाव को गहरा करने के भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। वर्ष 2022 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हुए ऐतिहासिक समझौते के बाद, यह सीईपीए खाड़ी देशों के साथ भारत की बढ़ती आर्थिक भागीदारी को मजबूती से स्थापित करता है।

द्विपक्षीय व्यापार में लगातार विस्तार हुआ है और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 11.18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है।जबकि, सेवाओं का व्यापार 2024 में 863 मिलियन अमेरिकी डॉलर का रहा।आर्थिक रिश्तों का विविधीकरण हुआ है और इसमें परंपरागत वस्तुओं से परे इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स और आईटी सेवाओं का समावेश हुआ है। फिर भी, काफी अनछुई संभावनाएं अभी भी बाकी हैं। वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार, निवेश, पेशेवर आवाजाही और नियामकीय सहयोग को शामिल करके, यह सीईपीए अधिक सुदृढ़, समन्वित और व्यापक आर्थिक साझेदारी काएक व्यापक ढांचा तैयार करता है।

भारतीय निर्यात के विकास का प्रवेश द्वार

इस सीईपीए के तहत ओमान की 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर भारतीय निर्यात को शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच हासिल है।इस समझौते से पहले, भारत के निर्यात का सिर्फलगभग 15 प्रतिशत हिस्सा ही सर्वाधिक तरजीह वाले देश (मोस्ट फेवर्ड नेशन) की व्यवस्था के तहत ओमान में शुल्क-मुक्त प्रवेश करता था, जबकि शेष पर 5 प्रतिशत तक का शुल्क लगता था। इस सीईपीए के तहत, भारत के वर्तमान निर्यात की 99.38 प्रतिशत मात्रा अब शुल्क-मुक्त प्रवेश का लाभ उठाएगी।

भारतीय निर्यातकों की दृष्टि से, ये लाभ काफी महत्वपूर्ण हैं।ओमान के 'विजन 2040' के तहत बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विविधीकरण में उसके द्वारा किए जा रहे निवेश से मांग में वृद्धि होगी। वित्त वर्ष 2024-25 में 875.83 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात के 2030 तक बढ़कर 1.3 से 1.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच होने का अनुमान है।शून्य शुल्क की सुविधा के जरिए वस्त्र एवं परिधान सेक्टर को क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धियों पर महत्वपूर्ण बढ़त मिलेगी।इससे तिरुपुर, सूरत, लुधियाना और कोयंबटूर जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी और साथ ही रोजगार भी सृजित होगा।

मौके व्यापक और विविध हैं।आयात पर निर्भर ओमान का दवा बाजार भारतीय कंपनियों के लिए मजबूत संभावनाएं पेश करता है।नियामकीय मंजूरियोंमें तेजी, गुणवत्ता प्रमाणपत्रों की मान्यता और प्रमुख उत्पादों के शुल्क-मुक्त पहुंच से अनुपालन संबंधी लागत में कमी आएगी और बाजार में पैठ बढ़ेगी।चावल, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मसाले और कन्फेक्शनरी सहित कृषि एवंखाद्य प्रसंस्करण आधारित निर्यात को भी लाभ होगा।

भारत के हालिया व्यापार समझौतों के अनुरूप, इस सीईपीए मेंएक संतुलित और सुविचारित दृष्टिकोण का समावेश है। जहां एक ओर भारत प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने एवं वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में शामिल होने के लिए बाजारों को खोल रहा है, वहीं दूसरी ओर संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रहा है। दुग्ध तथा अनाज जैसे प्रमुख कृषि उत्पादों के साथ-साथ रबर, वस्त्र और जूते जैसे उद्योग सुरक्षित बने हुए हैं। यह दृष्टिकोण बाहरी बाजारों तक पहुंच और घरेलू कमजोरियों से बचाव को एक साथ जोड़ता है।

भारत ने ओमान से आयात होने वाले लगभग 95 प्रतिशत उत्पादों पर लागू होने वाली अपनी 77 प्रतिशत से अधिक टैरिफ लाइनों को उदार बनाने की प्रतिबद्धता जताई है। इससे ओमान के प्रमुख निर्यातों, खासकर मेथनॉल और निर्जल अमोनिया जैसे औद्योगिक इनपुट को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा। ओमान को धातुओं और मिश्र धातुओं की एक विस्तृत श्रृंखला में तरजीही बाजार पहुंच हासिल होगी। इससे हमारे दोनों देशों को कम उत्पादन लागत का लाभ उठाने में मदद मिलेगी।

जिन क्षेत्रों में भारत के रक्षात्मक हित हैं, उन क्षेत्रों में टैरिफ दर कोटा (टीआरक्यू) के जरिए ओमान को पहुंच प्रदान की गई है।यह व्यवस्था निर्दिष्ट मात्रा की सीमा के भीतर खजूर, संगमरमर और चुनिंदा पेट्रोकेमिकल जैसे उत्पादों के तरजीही निर्यात की अनुमति देती है। बेहद सावधानीपूर्वक तैयार किया गया जुड़ाव का यह तरीकाप्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के साथ-साथ संक्रमण काल के दौरान कमजोर क्षेत्रों को सहायता भी प्रदान करता है।

यह सीईपीए भारतीय सेवा प्रदाताओं को उन सभी क्षेत्रों में बाध्यकारी प्रतिबद्धताएं प्रदान करता है, जहां भारत की स्थिति स्पष्ट रूप से मजबूत है।इनमें आईटी, पेशेवर सेवाएं और निर्माण क्षेत्र शामिल हैं। विभिन्न क्षेत्रों में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति देने वाले प्रावधानों के साथ, भारतीय कंपनियों को ओमान में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के अधिक मौके मिलेंगे।

प्रतिभाओं की दृष्टि से भी, यह समझौता एकबड़ी उपलब्धि है।कंपनी के भीतर स्थानांतरित कर्मचारियों (इंट्रा-कॉरपोरेट ट्रांसफरी) की सीमा को 50 प्रतिशत तक बढ़ाकर, भारतीय कंपनियों

द्विपक्षीय व्यापार में लगातार विस्तार हुआ है और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 11.18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है।जबकि, सेवाओं का व्यापार 2024 में 863 मिलियन अमेरिकी डॉलर का रहा।आर्थिक रिश्तों का विविधीकरण हुआ है और इसमें परंपरागत वस्तुओं से परे इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स और आईटी सेवाओं का समावेश हुआ है। फिर भी, काफी अनछुई संभावनाएं अभी भी बाकी हैं।

को अब विशिष्टता प्राप्त कर्मचारियों को आसानी से तैनात करने तथा बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति को और अधिक मजबूत करने की सुविधा मिल गई है।इसके अलावा, किसी भी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में पहली बार, ओमान ने स्वतंत्र पेशेवरों के लिए एक समर्पित आवाजाही की व्यवस्था स्थापित की है। अब जबकि वैश्विक स्तर पर जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण कारखानों में श्रमिकों की कमी हो रही है और आधुनिक मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर एआई एवं रोबोटिक्स के साथ जुड़ रहा है, ऐसे में यह प्रावधान भारतीय प्रतिभाओं के लिए दुनिया भर में एक सशक्त मिसाल कायम करता है।

इस सीईपीए में समर्पित स्वास्थ्य सेवा का एक परिशिष्ट भी शामिल है, जो आयुर्वेद जैसी पारंपरिक प्रणालियों को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में शामिल करने में सुविधा प्रदान करता है।साथ ही,यह चिकित्सा पेशेवरों के लिए लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं को भी सुव्यवस्थित करता है।इसके अलावा, एक अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा समझौते से संबंधित बातचीत से भविष्य में भारतीय प्रवासी समुदाय को दोहरे योगदान के बोझ से बचाया जा सकेगा।

क्षेत्रीय मूल्य श्रृंखलाओं का निर्माण

भारत-ओमान सीईपीए नियामकीय सहयोग, सामंजस्यपूर्ण मानकों और अनुरूपता मूल्यांकन प्रक्रियाओं के जरिए गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करके टैरिफ से परे जाता है।यह भारत के आधुनिक व्यापार समझौतों से जुड़े उच्च मानकों को दर्शाता है और सीमा के भीतर मौजूद वाणिज्य में रुकावट डालने वाली विभिन्न बाधाओं को दूर करता है।

भारत एक बेहद ही एकीकृत क्षेत्रीय व्यापार संरचना की नींव रख रहा है। भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से जुड़े सभी साझेदार मिलकर अब वैश्विक जीडीपी का लगभग 67 प्रतिशत और वस्तुओं एवं सेवाओं के वैश्विक आयात का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा हैं। खाड़ी, पूर्वी अफ्रीका और व्यापक हिंद महासागर क्षेत्र के मिलन बिंदुपर स्थित,ओमानको एक अनूठी भौगोलिक हैसियत हासिल है। सोहार, दुक्म और सलालाह जैसे ओमान के लॉजिस्टिक्स व औद्योगिक केन्द्रभारत कीमैन्यूफैक्चरिंगसंबंधी विशेषज्ञता एवं प्रतिभाओं को व्यापक मध्य पूर्व और अफ्रीका के साथ जोड़कर मूल्य श्रृंखलाओं को एकीकृत कर सकते हैं। इसका परिणाम क्षेत्रीय संपर्क और विकास के लिए निर्मित एक साझेदारी के रूप में सामने होगा।

व्यापार समझौते तभी सफल होते हैं जब वे भरोसा पैदा करते हैं, व्यवसायों को निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, श्रमिकों को नए कौशल हासिल करने के लिए प्रेरित करते हैं और अर्थव्यवस्थाओं को स्थायी साझेदारी बनाने के लिए आगे बढ़ाते हैं। यह सीईपीए ठीक यही काम कर रहा है। यह सदियों पुराने रिश्ते को इक्कीसवीं सदी की हकीकतों के अनुरूप एक रणनीतिक आर्थिक साझेदारी में परिवर्तित कर रहा है।

(लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

भारत ने श्रमिकों, किसानों, एमएसएमई के लिए खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले

श्री पीयूष गोयल

1 जून से लागू हो रहा भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस मिशनकी एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसकालक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है।

भारत और ओमान के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200-300 साल पुरानी हैं। ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धनराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करता है। यह तुरंत ही ओमान में 98त्न टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल है।

यह सीईपीएसे पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है।पहले की प्रणालीमें केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे। भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी।

भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीईपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों की प्रमुखता है। लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीईपीएभारतीय निर्यातकों को,जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

रोज़गार सृजन - यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुँचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं।

ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे।

भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों मं भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

रत्न और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीईपीएरोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा। भारत के पास पहले से ही कटे और पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं। शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी। उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 मिलियन डॉलर तक हो सकता है। इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केन्द्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है।

किसान और मछुआरे - घरेलू किसानों और संवेदनशील कृषि हितों की सुरक्षा के लिए, भारत ने गेहूं, चावल, मक्का, मोटे अनाज, डेयरी, फल, सब्जियां, खाद्य तेल, तिलहन, चाय, कॉफी और शहद जैसे प्रमुख उत्पादों पर कोई टैरीफ छूट नहीं दी है।

घी, शहद, मीठे बिस्कुट, अंडे और कुछ मिष्ठान्न उत्पादों में भारत को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक लाभ मिलेगा, जिससे देश के कृषि उत्पादों की मांग बढ़ेगी और ग्रामीण आय में वृद्धि होगी।

यह समझौता भारत के राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी)प्रमाणन की स्वीकृति और मान्यता भी प्रदान करता है, जो भारतीय किसानों को ओमान में, जो एक प्रमुख खाद्य आयातक है, जैविक उत्पाद बेचने के लिए विशाल अवसर देगा।

समुद्री उत्पादों में भी विशाल संभावनाएँ हैं, जिनका अब तक उपयोग नहीं हो पाया है। 2022 और 2024 के बीच ओमान का समुद्री उत्पादों का आयात लगभग 119 मिलियन डॉलर था। भारत से आयात केवल 7.75 मिलियन डॉलर था, जिससे भारतीय समुद्री खाद्य निर्यात जैसे झींगा और जमे हुए कटलफिश के लिए विशाल अवसर मौजूद हैं। श्रम-गहन समुद्री उत्पाद उद्योग मछली पकड़ने, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, शीत-श्रृंखला लॉजिस्टिक्स और निर्यात संचालन में अतिरिक्त नौकरियाँ उत्पन्न कर सकता है।

दवा और पारंपरिक चिकित्सा - यूएसएफडीए, ईएमए, यूके एमएचआरए और टीजीए जैसे नियामकों द्वारा अनुमोदित भारतीय दवाएं 90 दिनों के भीतर ओमान में स्वचालित विपणन प्राधिकार प्राप्त करेंगी — जो भारतीय फार्मा निर्यातकों के लिए एक बड़ी सफलता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि सीईपीएभारत की पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के लिए अवसर पैदा करता है। यह पारंपरिक चिकित्सा में संयुक्त अनुसंधान की व्यवस्था करता है। सेवाएँ और आवागमन - समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू सेवा और आवागमन में निहित है। ओमान ने भारत के लिए विशिष्ट निर्यात क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएँ व्यक्त की है, जिनमें पेशेवर सेवाएँ, कंप्यूटर और आईटी सेवाएँ, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, अनुसंधान और विकास तथा पर्यावरण सेवाएँ शामिल हैं। लेखा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, निर्माण, शिक्षाऔर परामर्श जैसे क्षेत्रों में भारतीय पेशेवरों को बेहतर बाज़ार पहुँच से लाभ मिलने की उम्मीद है।

महत्त्वपूर्ण रूप से, ओमान ने भारतीय पेशेवरों और श्रमिकों के लिए आवागमन प्रतिबद्धताओं में वृद्धि पर सहमति व्यक्त की है। अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों और संविदा सेवा प्रदाताओं को चार साल तक रहने की अनुमति दी जाएगी, जबकि व्यवसाय आगंतुकों और स्वतंत्र पेशेवरों को आसान अस्थायी प्रवेश की सुविधा मिलेगी। इसने अंतर-कॉर्पोरेट स्थानांतरित कर्मियों के लिए ऊपरी-सीमा को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है।

विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने की मोदी सरकार की पहल प्रत्येक भारतीय के जीवन को बेहतर बनाने के प्रधानमंत्री के मिशन का हिस्सा है।

ओमान के साथ समझौता याद दिलाता है कि व्यापार; विकास, रोजगार सृजन और साझा समृद्धि का एक शक्तिशाली उपकरण है। एक विभाजित और संरक्षणवादी दुनिया में, पीएम मोदी स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि एक नया, आत्मविश्वासी भारत पीछे नहीं हटेगा। यह साझेदारियों, प्रतिस्पर्धा और वैश्विक सहभागिता के माध्यम से आगे बढ़ेगा।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं।)

युवा व उभरते खिलाड़ियों को आईपीएल दे रहा बड़े अवसर

– मृत्युंजय दीक्षित

क्रिकेट के आईपीएल टी-20 का तूफान अगले सत्र तक के लिए शांत हो चुका है लेकिन 2026 आईपीएल की गहन समीक्षा जारी है। रजत पाटीदार के नेतृत्व वाली रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरू ने अपने गेंदबाज़ों और बल्लेबाज़ों के करिश्माई प्रदर्शन के चलते खिताब बचाने में सफलता प्राप्त की और लगातार दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी उठाई। एक बार फिर विराट कोहली जीत के नायक बने। आईपीएल-2026 में विराट ने अपने प्रदर्शन से उन आलोचकों को करारा उत्तर दिया जिन्होंने विराट को कई फॉर्मेट से संन्यास लेने के लिए मजबूर किया। विराट ने खेल के मैदान में एक बार फिर जता दिया कि लक्ष्य का पीछा करने में अभी भी उनका कोई सानी नहीं है और आज भी खेल की ऐसी स्थितियों के सबसे बड़े महारथी हैं।

आईपीएल के फाइनल में विराट एक छोर पर डटे रहे और 42 गेंदों में 75 रन बनाकर अपनी टीम को जिताने में सफल रहे। शुभमन गिल के नेतृत्व वाली गुजरात टाइटंस को अपने ही मैदान में निराश होना पड़ा।

आईपीएल-2026 कई कीर्तिमानों व रोचक पलों के लिए याद किया जाएगा। आईपीएल- 2026 में कुछ नए सितारों का उदय हुआ, कुछ पुराने खिलाड़ियों ने अपनी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करके लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

वैभव रघुवंशी : बल्लेबाजी में राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय वैभव रघुवंशी ने अपने पहले ही पूरे सत्र में बेहद आक्रामक व तूफानी बल्लेबाजी से सभी को सम्मोहित करने मे सफलता प्राप्त की। सत्र की समाप्ति तक वैभव भारत के दुलारे बन गए। वैभव दो बार शतक के बेहद करीब आकर भी शतक बनाने से चूक गए नहीं तो एक यह रिकार्ड भी उनके नाम हो जाता। वैभव अपने पहले ही सत्र में ऑरेंज कैप अवार्ड जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। वैभव ने आईपीएल- 2026 में सबसे अधिक 776 रन बनाए और छक्कों के मामलों में वेस्टइंडीज के तूफानी क्रिस गेल का 14 साल पुराना 59 छक्कों का रिकार्ड ध्वस्त कर दिया। वैभव ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान चौकों-छक्कों की बारिश करते हुए कुल 63 चौके और 72 छक्के लगाए। वैभव ने 16 मैचों की 16 पारियों में 48.50 के औसत और 237.30 स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। इनमें एक शतक तथा 5 अर्धशतक शामिल हैं।

दूसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज कप्तान शुभमन गिल रहे जिन्होंने 732 रन बनाए और तीसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के ही बल्लेबाज साई सुदर्शन रहे जिन्होंने 722 रन बनाए और आईपीएल -2026 में चमकदार बल्लेबाज बनकर उभरे। साई सुदर्शन भी क्रिकेट प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहे। क्रिकेट कमेंटर्स, समीक्षक तथा विश्लेषकों ने साईं के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि वह आने वाले समय में भारत की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का अहम हिस्सा हो सकते हैं।

आईपीएल से उभरे नए खिलाड़ियों में वैभव के लिए भारत की राष्ट्रीय टीम में शामिल होने का द्वार खुल गया है। वैभव को भारत-ए की टीम मे शामिल कर लिया गया है और उनका पहला विदेशी दौरा श्रीलंका की धरती से शुरू होगा जहां त्रिकोणीय श्रृंखला खेली जानी है। वैभव का नाम सितंबर-अक्टूबर में जापान मे आयोजित होने जा रहे एशियाई खेलों की क्रिकेट टीम में भी शामिल किया गया है। वैभव की अग्निपरीक्षा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व दक्षिण अफ्रीका के मैदानों पर होगी क्योंकि इन देशों की पिचें काफी तेज मानी जाती हैं।

वैभव, शुभमन और साईं के अलावा यशस्वी जायसवाल, राजस्थान के रियान पराग आदि ने भी अच्छा प्रदर्शन कर लोगों को आकर्षित किया।

गेंदबाज़ी : भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे बंगलुरू के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार सर्वाधिक 28 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे और अपनी फिटनेस को साबित किया दूसरे नंबर पर ज्योफ्रा आर्चर रहे जिन्होंने अपनी टीम के लिए 25 विकेट लिए। इस लिहाज से देखें तो आईपीएल-2026 नए गेंदबाजों को तलाशने में नाकाम रहा। इस बार बल्लेबाज ही पूरे सत्र में छाए रहे। हार्दिक पांड्या जैसे गेंदबाजों के लिए यह सीजन बुरे सपने जैसा रहा।

नाम बड़े दर्शन छोटे : आईपीएल सीजन- 2026 में 10 महंगे खिलाड़ी लगभग 125 करोड़ में बिके लेकिन ये नाम बड़े और दर्शन छोटे की कहावत सिद्ध करने में लगे रहे। कोलकाता के कैमरून ग्रीन, चेन्नई के कार्तिक शर्मा, चेन्नई के ही प्रशांत वीर, राजस्थान के रवि विश्वनोई, दिल्ली के आकिब अली, लखनऊ के जोस इग्लिस, हैदराबाद के लिविंगस्टोन आदि खिलाड़ी पूरी तरह से नाकाम रहे।

आईपीएल-2026 में किसी भी टीम का कप्तान अपने घरेलू मैदानों पर अपने मन की पिच नही बनवा सका और न ही विजय प्राप्त कर सका। फाइनल मुकाबले में भी यह देखने को मिला, जहां अहमदाबाद में गुजरात को अपने ही स्टेडियम में हार का सामना करना पड़ा। लखनऊ की टीम भी अपने ही मैदान में हारती चली गई। आईपीएल-2026 क्रिकेट प्रेमियों को कई यादगार अनुभव देकर विदा हुआ है, यह वैभव के साथ-साथ दूसरी उभरती प्रतिभाओं के लिए मार्ग खोल कर विदा हुआ है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

एलपीएल 2026 में होगा इम्पैक्ट सब नियम, हर टीम को खिलाना होगा अंडर-23 खिलाड़ी

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2026 में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आगामी सत्र में पहली बार इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम लागू किया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक टीम के लिए प्लेइंग इलेवन में कम से कम एक अंडर-23 खिलाड़ी को शामिल करना अनिवार्य होगा। खास बात यह है कि इम्पैक्ट सब के इस्तेमाल के बाद भी टीम में अंडर-23 खिलाड़ी का होना जरूरी रहेगा। कोलंबो में आयोजित एलपीएल 2026 ड्राफ्ट के दौरान इन नए नियमों की जानकारी दी गई। इन बदलावों के कारण सभी पांच फ्रेंचाइजी को अपनी टीमों का चयन काफी रणनीतिक तरीके से करना पड़ा। अंडर-23 खिलाड़ियों की सीमित उपलब्धता के कारण फ्रेंचाइजियों के सामने टीम संयोजन की चुनौती रही। कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी जुलाई में भारत के खिलाफ होने वाली अंडर-19 श्रृंखला के कारण टूर्नामेंट में उपलब्ध नहीं रहेंगे। ड्राफ्ट के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि पथुम निसांका और मथीशा पथिराना चोट से जूझ रहे हैं। निसांका को वेस्टइंडीज दौरे के लिए टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनके कार्यभार को नियंत्रित किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार वह भारत के श्रीलंका दौरे से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए सर्जरी भी करा सकते हैं।

महिला त्रिकोणीय टी20 सीरीजः आयरलैंड ने पहली बार वेस्टइंडीज को हराया

डबलिन। आयरलैंड महिला टीम ने त्रिकोणीय टी20 श्रृंखला में इतिहास रचते हुए सोमवार देर रात वेस्टइंडीज को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धति से 1 रन से हराकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के साथ आयरलैंड ने फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भी मजबूत कर लिया। मैच की नायिका कप्तान ओरला प्रेंडरगास्ट रहीं, जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। पहले उन्होंने दो विकेट झटके और फिर नाबाद 71 रन की मैच विजयी पारी खेली। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। एवा कैनिंग ने पावरप्ले में दो विकेट लेकर कैरेबियाई टीम को शुरुआती झटके दिए। पांच ओवर के भीतर शीर्ष क्रम के बल्लेबाज पवेलियन लौट गए और टीम दबाव में आ गई। स्थिति तब और खराब हो गई जब स्टेफानी टेलर रन आउट होने के बाद चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट हो गईं। 10 ओवर के बाद वेस्टइंडीज का स्कोर केवल 53/4 था और टीम को बड़े स्कोर के लिए मजबूत साझेदारी की जरूरत थी। इसके बाद जैनिलिया ग्लासगो और शेमेन कैंपबेल ने पारी संभाली। दोनों ने महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को संकट से निकाला। कैंपबेल के आउट होने के बाद प्रेंडरगास्ट ने डेथ ओवरों में दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। निचले क्रम के बल्लेबाजों के कुछ उपयोगी चौकों की बदौलत वेस्टइंडीज 20 ओवर में 141/8 तक पहुंचने में सफल रहा।

धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम को मिला आईपीएल 2026 का बेस्ट ग्राउंड और पिच अवॉर्ड

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) के धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम ने एक बार फिर देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन में धर्मशाला के मैदान को 'बेस्ट ग्राउंड एंड पिच ऑफ द सीजन' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि मैदान की बेहतरीन गुणवत्ता, उत्कृष्ट पिच तैयारियों और पर्दे के पीछे दिन-रात मेहनत करने वाले क्यूरेटरों, ग्राउंड्समैन और प्रबंधन टीम की मेहनत का परिणाम मानी जा रही है। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि धौलाधार पर्वत श्रृंखला की छाया में बसे धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम को विश्व क्रिकेट के मानचित्र पर स्थापित करने के लिए वर्षों तक निरंतर प्रयास किए गए। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन सभी लोगों को समर्पित है जिन्होंने मैदान को देश के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट स्थलों में शामिल करने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने कहा कि धर्मशाला का मैदान केवल एक क्रिकेट स्टेडियम नहीं, बल्कि हिमाचल की प्राकृतिक सुंदरता और खेल संस्कृति का प्रतीक बन चुका है। यहां की हरियाली, विश्वस्तरीय सुविधाएं और पृष्ठभूमि में दिखाई देने वाली धौलाधार पर्वतमाला खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों के लिए यादगार अनुभव प्रदान करती है।

मिशन ओलंपिक सेल ने टॉप्स के डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किए 22 भारतीय रोअर

नई दिल्ली। मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने अपनी 174वीं बैठक में एशियाई खेल 2026 और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए 22 भारतीय रोअरों (नाविकों) को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया है। यह सूची राष्ट्रीय चयन ट्रायल और भारतीय रोइंग महासंघ द्वारा नावों के अंतिम चयन के बाद तैयार की गई है। इन 22 खिलाड़ियों को छह अलग-अलग नाव वर्गों में शामिल किया गया है। अब ये खिलाड़ी एशियाई खेल 2026, विश्व कप श्रृंखला और अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी करेंगे। टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल प्रमुख खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाले बलराज पंवार, एशियाई खेल 2022 के रजत पदक विजेता अरविंद सिंह और एशियाई खेल 2022 के दोहरे पदक विजेता जसविंदर सिंह शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को पुरुष सिंगल स्कल्स, पुरुष डबल स्कल्स, पुरुष क्वाड्रपल स्कल्स, लाइटवेट पुरुष डबल स्कल्स, पुरुष कॉक्स्ड एट और महिला कॉक्सलेस फोर्स जैसी विभिन्न नाव श्रेणियों में रखा गया है।

वर्ल्ड चैंपियन होने से बेहतर कुछ नहीं', फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले बोले फ्रांस के हेड कोच डेसचैम्प्स

एजेंसी

पेरिस । फ्रांस के हेड कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने फीफा वर्ल्ड कप जीतने को फुटबॉल की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया है। टीम की कमान संभालते हुए अपने चौथे वर्ल्ड कप और आखिरी टूर्नामेंट की तैयारी करते हुए डिडिएर ने कहा कि 'वर्ल्ड चैंपियन होने से बेहतर कुछ नहीं है'। विश्व कप 2026 से पहले 'फीफा' से बात करते हुए डेसचैम्प्स ने फ्रांस के साथ अपने शानदार सफर के बारे में बताया, जिसमें उन्होंने 1998 में कैप्टन और 2018 में कोच के तौर पर ट्रॉफी जीती थी। उन्होंने कहा, 'मैं क्लब लेवल, चैंपियंस लीग और भी बहुत कुछ जीतने के लिए काफी खुशकिस्मत रहा हूं, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन होने से बढ़कर कुछ नहीं है। आपका नाम वहीं रहता है, लेकिन दो शब्द हमेशा के लिए जुड़ जाते हैः 'वर्ल्ड चैंपियन।' 57 वर्षीय के डेसचैम्प्स

फुटबॉल इतिहास के उन तीन लोगों में से एक हैं जिन्होंने प्लेयर और कोच दोनों के तौर पर वर्ल्ड कप जीता है। उनके अलावा यह कारनामा ब्राजील के मारियो जागालो और जर्मनी के फ्रांज बेकनबाउर ही कर सके हैं। अगर इस गर्मी में वह एक और खिताब जीत लेते हैं, तो यह उनकी विरासत को और मजबूत कर देगा। इससे वे ऐसे पहले कोच बन जाएंगे जिन्होंने खिलाड़ी और कोच दोनों रूप में वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीती है, और बतौर कोच दो बार वर्ल्ड कप जीतने का रिकॉर्ड भी उनके नाम हो जाएगा।

अपनी उपलब्धियों के बावजूद डेसचैम्प्स ने जोर देकर कहा कि वह अतीत के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा सिर्फ आज और कल के बारे में सोचता हूं; मैं बस ऐसा ही हूं। सच कहूं तो और कुछ मायने नहीं रखता। मैं आगे क्या होने वाला है, इस पर फोकस कर रहा हूं। 1998 और 2018 में जो हुआ, वह हमेशा मेरे साथ रहेगा, लेकिन जो बीत गया उसे कोई नहीं बदल सकता। अब मायने यह रखता है कि हम आगे क्या करते हैं। ' फ्रांस 2018 में वर्ल्ड कप जीतने और 2022 में फाइनल में पहुंचने के बाद इस बार भी खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। हालांकि, डेसचैम्प्स ने चेतावनी दी कि सिर्फ प्रतिष्ठा से सफलता नहीं मिलेगी। 'हमने अपने नतीजों की वजह से उम्मीदें बनाई हैं। हमने 2018 में ट्रॉफी उठाई और 2022 में फाइनल में पहुंचे, इसलिए हमारे समर्थकों को उम्मीद है कि हम आखिर में फिर से वहां होंगे। हम उन 10 या 12 देशों में से एक हैं जो असल में वर्ल्ड चैंपियन बनने का सपना देख सकते हैं।

आईपीएल 2026 : सिर्फ 4 विकेट, 102 का गेंदबाजी औसत, बुमराह के लिए किसी बुरे सपने की तरह रहा ये सीजन

एजेंसी

नई दिल्ली । 13 मुकाबलों में सिर्फ 4 विकेट। 102.50 का गेंदबाजी औसत। यह टीम इंडिया के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के आईपीएल 2026 के आंकड़े हैं। टी20 विश्व कप में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद इस सीजन में बुमराह से हर किसी को शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी। हालांकि, बुमराह के लिए यह सीजन किसी बुरे सपने की तरह रहा। जसप्रीत बुमराह पूरे सीजन विकेट लेने के लिए तरसते हुए नजर आए। हर मैच और हर परिस्थिति में विकेट लेने में माहिर बुमराह आईपीएल 2026 में सिर्फ 4 विकेट ही निकाल सके। उनका गेंदबाजी औसत 102.50 का रहा, जो आईपीएल के एक सीजन में 30 से ज्यादा ओवर फेंकने वाले गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है। बुमराह की खराब फॉर्म को अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि वह 9 मुकाबलों में तो एक विकेट तक नहीं निकाल सके। आलम यह रहा कि पूरे सीजन में कोई भी मैच ऐसा नहीं रहा, जिसमें बुमराह ने एक से ज्यादा विकेट लिया हो। बुमराह के कद को देखते हुए यह उनके आईपीएल करियर का सबसे खराब सीजन माना गया। हालांकि, साल 2013 और 2015 में बुमराह ने 3-3 विकेट ही चटकाए थे, लेकिन 2013 में स्टार तेज गेंदबाज ने सिर्फ 2 और 2015 में 4 मैच ही खेले थे। बुमराह की नाकामी का असर मुंबई इंडियंस टीम के प्रदर्शन पर साफतौर पर पड़ा। बुमराह के संघर्ष करने के कारण टीम के बाकी गेंदबाज दबाव में दिखाई दिए, जिसका पूरा फायदा विपक्षी टीम के बल्लेबाजों ने उठाया।

फ्रेंडली मैच में कोलंबिया ने कोस्ट रिका को 3-1 से हराया, लुइस डियाज बने जीत के नायक

एजेंसी

बोगोटा । कोलंबिया ने मंगलवार को एल कैंपिन स्टेडियम में एक इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में कोस्टा रिका को 3-1 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता किया। लुइस डियाज टीम की इस जीत के नायक रहे। बायर्न म्यूनिख के विंगर लुइस डियाज मुकाबले के स्टार रहे, उन्होंने एक गोल और एक असिस्ट भी किया, जिससे कोलंबिया ने 11 जून से शुरू होने वाले टूर्नामेंट से पहले अपने घरेलू फैंस के सामने शानदार प्रदर्शन किया।

डिफेंडर डेविंसन सांचेज ने कोलंबिया को शुरुआती बढ़त दिलाई जब उन्होंने डियाज के कॉर्नर किक पर सबसे ऊपर उठकर हेडर से गोल किया। सिन्हुआ के मुताबिक, मेजबान टीम ने मैच पर कंट्रोल बनाए रखा और इसके तुरंत बाद डियाज द्वारा किए गए गोल की बदौलत अपनी बढ़त को 2-0 कर दिया। कोस्टा रिका ने सकारात्मक जवाब दिया और 33वें मिनट में मैच का अपना पहला गोल दागा। हाफ टाइम से ठीक पहले जोसिमर अल्कोसर ने शानदार पास देकर मौका बनाया, जिस पर एंड्री सोटो ने हेडर के जरिए गोल कर दिया। इस गोल से मेहमान टीम की मैच में वापसी की उम्मीदें बढ़ गईं। हालांकि, पूरे मैच में कोलंबिया का दबदबा बना रहा और टीम ने अधिकांश समय बेहतर खेल दिखाया। मैच खत्म होने से करीब 10 मिनट पहले कोलंबिया ने अपनी जीत लगभग पक्की कर दी। स्पोर्टिंग लिस्बन के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने अनुभवी प्लेमेकर जेम्स रोड्रिगेज के लंबे पास को शानदार तरीके से नियंत्रित किया। इसके बाद उन्होंने दूर के कोने में जोरदार शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचा दिया और स्कोर 3-1 कर दिया। मैच के बाद लोरेंजो ने कहा, 'यह एक अच्छा टेस्ट था, भले ही कल तक हमारे साथ पूरा ग्रुप नहीं था। हमें बहुत सी चीजों में सुधार करना है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतेंगे, एक साथ समय बिताकर और सभी खिलाड़ियों को शारीरिक तौर पर तैयार करके, मुझे विश्वास है कि हम वर्ल्ड कप के लिए बहुत अच्छी शेप में होंगे। ' कोलंबिया अपना वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करने से पहले 7 जून को सैन डिएगो में जॉर्डन के खिलाफ अपना आखिरी वार्म-अप मैच खेलेगा। साउथ अमेरिकन टीम 17 जून को मेक्सिको सिटी में उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने ग्रुप स्टेज अभियान की शुरुआत करेगी।

फ्रेंच ओपन 2026: माटेओ अर्नाल्डी ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह, कड़े मुकाबले में टियाफो को दी मात

एजेंसी

पेरिस । माटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। पांच सेट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। 25 साल वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 19वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला पांच घंटे 26 मिनट तक चला। इटली के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में कुल 17 घंटे 42 मिनट का समय लगाया है। यह 1991 से अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार किसी भी ग्रैंड स्लैम में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने का सबसे लंबा समय है। यह पिछले रिकॉर्ड से लगभग 1 घंटा 58 मिनट ज्यादा है। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में बराबरी की, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी टियाफो ने बेहतरीन खेल खेलते हुए अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने चौथे सेट में 4-1 की बढ़त बना ली और ऐसा लग रहा था कि वह लगातार दूसरे

साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगे। टाईब्रेक में 25 साल के टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाया और कई तेज और रोमांचक रैलियों में बढ़त बनाई। हालांकि, अर्नाल्डी ने भी शानदार वापसी की, उन्होंने हवा में कूदकर एक जोरदार बैकहैंड मारा और कुछ ही देर बाद निर्णायक अंक जीत लिया। इस समय अर्नाल्डी पूरी तरह लय में थे और अपने शानदार ग्राउंडस्ट्रोक्स की मदद से उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, टियाफो ने हार नहीं मानी और एक दमदार फोरहैंड लगाकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रोमांचक मुकाबले के दौरान एक ही रैली में टियाफो दो बार गिर भी पड़े। इसके बाद अर्नाल्डी ने फिर से अपना नियंत्रण वापस पाया और आखिर में अपने तीसरे मैच पॉइंट को जीत में बदलकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अर्नाल्डी अब अपने ही देश के खिलाड़ी माटेओ बेरेटिनी से भिड़ेंगे। खास बात यह है कि अर्नाल्डी, बेरेटिनी और फ्लेवियो कोबोली मिलकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। ये तीनों ओपन एरा में पहली बार ऐसे इटैलियन खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने एक ही ग्रैंड स्लैम के पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल तक जगह बनाई है। यानी इटली के तीनों खिलाड़ियों ने एक साथ अंतिम आठ में पहुंचकर नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है।

फ्रेंच ओपन 2026: सबालेंका ने बनाई चौथे राउंड में जगह, रोमांचक मैच में ओसाका को हराया

एजेंसी

पेरिस । एरिना सबालेंका ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन 2026) में चौथे राउंड के रोमांचक मैच में नाओमी ओसाका को 7-5, 6-3 से हराकर लगातार 14वें ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। महिला ड्रॉ में सबालेंका अकेली ऐसी खिलाड़ी बची हैं जिन्होंने मेजर फाइनल खेला है। सबालेंका का अब सामना 25वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को तीन सेट में हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ओसाका ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीत लिए। दूसरी ओर, सबालेंका शुरू से ही संघर्ष करती नजर आईं। उन्होंने पांच ऐसी गलतियां कीं जो बिना दबाव के हुईं, जिनमें एक डबल फॉल्ट भी शामिल था। यह डबल फॉल्ट ब्रेक पॉइंट पर हुआ, जिससे ओसाका को शुरुआती बढ़त बनाने में मदद मिली।

शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने खराब शुरुआत के बाद

शानदार वापसी की। उन्होंने दो शानदार फोरहैंड विनर लगाए और तुरंत ब्रेक की भरपाई कर ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मैच में अपनी सर्विस मजबूत रखी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैच के बाकी हिस्से में उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उनके सर्विस गेम शायद ही कभी ड्यूस तक पहुंचे।

सबालेंका की सर्विस पर पूरे मैच में सिर्फ एक बार मुकाबला ड्यूस तक पहुंचा। यह दूसरे सेट का छठा गेम था, जब ओसाका 3-2 से आगे चल रही थीं। करीब छह मिनट तक चले इस गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। हालांकि, इसके तुरंत बाद ओसाका अपनी बढ़त कायम नहीं रख सकीं। सबालेंका ने मौके का फायदा उठाया और लगातार चार गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस दौरान ओसाका को मिले अहम मौकों को वह भुना नहीं सकीं, जिससे मैच का रुख पूरी तरह सबालेंका की ओर मुड़ गया।

एक साल पहले अपना पहला फ्रेंच ओपन खिताब जीतने से चूकने वाली सबालेंका इस बार शानदार फॉर्म में हैं। जीत के बाद उन्होंने कहा कि वह इस टूर्नामेंट को लेकर ज्यादा नहीं सोच रही हैं और खुद को दबाव से दूर रखने की कोशिश कर रही हैं।उन्होंने कहा, 'मैं ज्यादा सोच-विचार नहीं कर रही हूं। इस साल फ्रेंस ओपन में जो कुछ हो रहा है, उससे खुद को थोड़ा अलग रख पाई हूं। मैं पहले भी ऐसे हालात देख चुकी हूं। खेल में कुछ भी हो सकता है। यही टेनिस की खूबसूरती है। '

सबालेंका ने आगे कहा, 'मैं सिर्फ अपने खेल पर ध्यान देने की कोशिश कर रही हूं। मेरा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि जब मैं कोर्ट पर उतरूं, तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकूं। मैं हर मैच में पूरी मेहनत और पूरी ताकत के साथ खेल रही हूं। इस ट्रॉफी को जीतने के लिए मैं अपनी ओर से हर संभव कोशिश कर रही हूं। '

भारतीय महिला हॉकी टीम के साथ जुड़े डच दिग्गज टेके टेकेमा, ड्रैग-फ्लिकिंग कैंप में देंगे विशेष प्रशिक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की पेनाल्टी कॉर्नर क्षमता को और मजबूत बनाने के लिए नीदरलैंड के महान ड्रैग-फ्लिकर टेके टेकेमा टीम के साथ विशेष प्रशिक्षण शिविर में शामिल हुए हैं। यह शिविर ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड दौरे के दौरान 26 मई से 21 जून तक आयोजित किया जा रहा है। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने के मार्गदर्शन में भारतीय टीम आगामी एफआईएच महिला नेशंस कप न्यूज़ीलैंड 2025-26 की तैयारियों में जुटी हुई है, जो 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में खेला जाएगा। इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य भारतीय ड्रैग-फ्लिकरों की तकनीक को निखारना और पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की क्षमता को बेहतर बनाना है। भारतीय खिलाड़ियों दीपिका, लालथांतलुआंगी और अन्नू इस प्रशिक्षण में हिस्सा ले रही हैं। टेके टेकेमा विश्व हॉकी के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग-फ्लिकरों में गिने जाते हैं। नीदरलैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी टेकेमा ने ओलंपिक और हॉकी विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया है। उनके नाम 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच और 221 अंतरराष्ट्रीय गोल दर्ज हैं। यह पहल आनंदना - द कोका-कोला इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से संचालित की जा रही है। इससे पहले आनंदना ने भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए बेंगलुरु में प्रसिद्ध गोलकीपिंग कोच डेविड विलियमसन द्वारा आयोजित विशेष गोलकीपिंग शिविर को भी सहयोग प्रदान किया था। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारतीय टीम ने पर्थ हॉकी स्टेडियम में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की मैत्रीपूर्ण श्रृंखला खेली थी।

नॉर्वे चेसः प्रग्गनानंदा और गुकेश ने दर्ज की जीत, दिव्या ने हम्पी कोनेरू को हराया

एजेंसी

ओस्लो । नॉर्वे शतरंज 2026 के सातवें राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंद रमेशबाबू ने क्लासिकल मुकाबले में अलीरेजा फिरोजा को हराया, जबकि विश्व चैंपियन डी. गुकेश ने आर्मागेडन मुकाबले में वेस्ली सो को मात देकर अतिरिक्त अंक हासिल किए। प्रज्ञानानंद ने फिरोजा के खिलाफ लंबे संघर्ष के बाद जीत दर्ज की। उन्होंने आत्मविश्वास और सटीक रणनीति के दम पर अपनी बढ़त को जीत में बदल दिया। इस हार के साथ फिरोजा को टूर्नामेंट में दूसरी क्लासिकल पराजय का सामना करना पड़ा, जबकि शीर्ष स्थान की दौड़ और रोमांचक हो गई। गुकेश और वेस्ली सो के बीच क्लासिकल मुकाबला बेहद तनावपूर्ण रहा और अंततः ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इसके बाद खेले गए आर्मागेडन मुकाबले में गुकेश ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए। वहीं, विश्व नंबर एक मैग्नस कार्लसन और विंसेंट कीमर के बीच लंबा क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ रहा। इसके बाद कार्लसन ने आर्मागेडन में जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक जुटाए और शीर्ष खिलाड़ियों की दौड़ में बने रहे।

सातवें राउंड के बाद, वेस्ली सो 12.5 पॉइंट्स के साथ टूर्नामेंट में आगे चल रहे हैं। अलीरेजा फिरोजा 10 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि मैग्नस कार्लसन, विंसेंट कीमर और प्रज्ञानानंद रमेशबाबू 9-9 अंकों के साथ संयुक्त रूप से उनके पीछे हैं। महिला वर्ग में कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख के बीच क्लासिकल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जो अंततः ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इसके बाद हुए आर्मागेडन मुकाबले में दिव्या ने काले मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज की। इस सफलता से उन्हें अतिरिक्त अंक मिले और उन्होंने तालिका में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। वह अब बिबिसारा अस्सौबायेवा की सबसे करीबी चुनौती देने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग में दिन का सबसे बड़ा परिणाम बिबिसारा अस्सौबायेवा के नाम रहा। उन्होंने क्लासिकल मुकाबले में जीत दर्ज कर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली। सफेद मोहरों से खेलते हुए उन्होंने झू जिनर के खिलाफ कठिन मिडिलगेम से उबरकर धीरे-धीरे बढ़त बनाई और उसे जीत में बदल दिया। इस जीत से उन्हें पूरे तीन अंक मिले, जिससे टूर्नामेंट के अंतिम चरण में उनकी स्थिति काफी मजबूत हो गई।

मौजूदा महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन और एना मुजिचुक के बीच क्लासिकल मुकाबला भी ड्रॉ रहा। हालांकि, आर्मागेडन मुकाबले में मुजिचुक ने जू वेनजुन को हराकर अतिरिक्त अंक हासिल किए और शीर्ष खिलाड़ियों के करीब बनी रहीं।

सातवें राउंड के बाद बिबिसारा अस्सौबायेवा 12.5 अंकों के साथ महिला वर्ग में शीर्ष पर हैं।

अब फरवरी में होगी आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी, इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी और टी20 वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन पाथवे को मंजूरी

एजेंसी

अहमदाबाद। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सोमवार को पहली आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी 2027 के शेड्यूल में एक बड़ा बदलाव किया। अब यह टूर्नामेंट जून-जुलाई के बजाय 14-28 फरवरी 2027 तक होगा। यह फैसला दुनियाभर में महिला क्रिकेट को मजबूत करने के कई उपायों का हिस्सा है। बोर्ड ने एक नई विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी को भी मंजूरी दी और आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2028 के लिए क्वालिफिकेशन पाथवे तय किया। विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी फरवरी में शुरू होगी, जिससे इंटरनेशनल कैलेंडर में एक नई विंडो मिलेगी। इस बदलाव से शेड्यूलिंग में मदद मिलने और टूर्नामेंट के लिए बेहतर हालात सुनिश्चित होने की उम्मीद है। एक और अहम डेवलपमेंट में, आईसीसी ने सुनिश्चित किया है कि वह 10 देशों वाली विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 शुरू करेगा, ताकि विकासशील देश को ज्यादा अंतरराष्ट्रीय अनुभव मिल सके। इस टूर्नामेंट में 5 फुल मेंबर्स टीमें और 5 एसोसिएट मेंबर टीमें होंगी। इन सभी टीमों को रैंकिंग और पिछले टी20 वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन के आधार पर चुना जाएगा। इस पहल का मकसद महिला क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाना और उभरते देशों का समर्थन करना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, 'अहमदाबाद में हमारी चर्चाओं ने गवर्नेंस, एडमिनिस्ट्रेशन और दुनियाभर में क्रिकेट के विकास के प्रति आईसीसी की कमिटमेंट को और मजबूत किया है। महिला क्रिकेट और उभरते देशों से लेकर फ्रेंचाइजी कॉम्पिटिशन के मैनेजमेंट तक, आज की चर्चाओं और फैसलों का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि क्रिकेट दुनियाभर के फैंस के लिए निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धी और रोमांचक बना रहे। '

आईसीसी बोर्ड ने विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2028 के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को भी मंजूरी दी, जिसकी मेजबानी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) करेगा। भारत के मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2028 में 12 टीमें हिस्सा लेने जा रही हैं। 10 टीमें स्वतः क्वालीफाई कर लेंगी, जिनमें विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टॉप-8 टीमें, मेजबान देश (अगर वह पहले से क्वालीफाई नहीं हुआ है) और 6 जुलाई 2026 तक आईसीसी विमेंस टी20 रैंकिंग में अगली सबसे ज्यादा रैंक वाली टीमें शामिल हैं।

भारतीय महिला कुश्ती टीम में सभी छह पहलवान हरियाणा की

चंडीगढ़। हरियाणा के लिए यह गर्व की बात है कि एशियन गेम्स 2026 के लिए चुनी गई भारतीय महिला कुश्ती टीम की सभी छह पहलवान हरियाणा की बेटियां हैं। प्रदेश के खेल मंत्री गौरव गौतम ने सोमवार को चंडीगढ़ में यह जानकारी देते हुए बताया कि यह उपलब्धि प्रदेश की खेल संस्कृति और प्रतिभा का प्रमाण है, बल्कि देशभर में हरियाणा की खेलों में अग्रणी पहचान को भी मजबूत करती है। गौरव गौतम ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हरियाणा के खेल मंत्री होने के नाते यह उनके लिए विशेष गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सरकार खिलाडियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं, उत्कृष्ट प्रशिक्षक तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। खेल मंत्री ने चयनित खिलाडियों की सूची जारी करते हुए बताया कि एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला कुश्ती टीम के 50 किलो ग्राम भार वर्ग में दीपांशी राठी, 53 किग्रा में अंतिम पंघाल, 57 किग्रा में मनीषा भनवाला, 62 किग्रा में मानसी अहलावत, 68 किग्रा में निशा दहिया, 76 किग्रा में प्रिया मलिक का चयन किया गया है। गौरव गौतम ने कहा कि खिलाडियों ने अपनी मेहनत, लगन और अनुशासन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है, जो पूरे देश और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय खिलाड़ी एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करेंगे।

विमेंस नेशंस कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान, सलीमा टेटे संभालेंगी कमान

एजेंसी

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप के लिए विमेंस टीम का ऐलान कर दिया है। यह टूर्नामेंट 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेला जाना है। सलीमा टेटे टूर्नामेंट के लिए टीम की कैप्टन बनी रहेंगी। सविता और बीचू देवी खारीबाम भरोसेमंद, अनुभवी गोलकीपर के तौर पर काम करेंगी। डिफेंस में सुशीला चानू पुखरामबम, इशिका चौधरी, निक्की प्रधान और ज्योति बैकलाइन में अपना इंटरनेशनल अनुभव लेकर आएंगी। उनके साथ लालथंतलुआंगी और शिल्पी डबास भी होंगी, जिन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलिया टूर के दौरान पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया था। सलीमा मिडफील्ड की अगुवाई करेंगी, जिन्हें नेहा, सुनीता टोप्पो और साक्षी राणा का सपोर्ट मिलेगा। सलीमा को दीपिका सोरेंग का भी साथ मिलेगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में फ्रेंडली सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। नवनीत कौर अटैक को लीड करेंगी और उम्मीद है कि वह हाल के इंटरनेशनल मुकाबलों में अपने शानदार गोल करने के सिलसिले को बनाए रखेंगी। नवनीत को दीपिका, रुतुजा दादासो पिसल, अन्नू और इशिका का साथ मिलेगा। इसके साथ ही अनुभवी अटैकिंग मिडफील्डर लालरेमसियामी और सोनम भी टीम के अटैक को मजबूती प्रदान करेंगी।

भारत की महिलाएं ऑस्ट्रेलिया के सफल दौरे के बाद नेशंस कप के लिए तैयार हैं, जहां उन्होंने एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप न्यूजीलैंड 2025-26 से पहले पर्थ में चार मुकाबलों की फ्रेंडली सीरीज में हिस्सा लिया था। इस सीरीज से टीम को जरूरी अनुभव मिला और चीफ कोच शोर्ड मारिन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर निगाहें भी रख सके। भारत ने चार मुकाबलों में

मेजबान टीम के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। भारत को टूर्नामेंट के पूल ए में जापान, अमेरिका और उरुग्वे के साथ रखा गया है, जबकि पूल बी में मेजबान न्यूजीलैंड, चिली, कोरिया और फ्रांस शामिल हैं। चीफ कोच मारिन ने आने वाले एक जरूरी फेज के लिए टीम की तैयारियों के महत्व पर जोर दिया, जिसकी शुरुआत एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप 2025-26 से होगी। इसके बाद एफआईएच वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स में भी टीम को हिस्सा लेना है। मारिन ने कहा, 'नेशंस कप हमारे लिए एक जरूरी टूर्नामेंट है। हम वहां जाकर अपने लिए एक मानक सेट करने के लिए उद्देश्य के साथ खेलना चाहते हैं, जिसे हम आगे बढ़ा सकें। हमने अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया टूर में उन पहलुओं पर काम किया है, जिससे हमें एक टीम के तौर पर अच्छी तैयारी मिली। अब अगला कदम उठाने और पूरे टूर्नामेंट में लगातार उस लेवल को दिखाने की बात है। टीम प्रेरित है और चैलेंज के लिए तैयार है। 'स्क्वॉड सिलेक्शन पर अपने विचार शेयर करते हुए उन्होंने कहा, 'हमने एक ऐसा स्क्वॉड चुना है जिसमें अनुभव और जोश का सही संतुलन है। सविता, सुशीला, निक्की और नवनीत जैसी खिलाड़ी पहले भी बड़े टूर्नामेंट्स में खेल चुकी हैं और जानती हैं कि दबाव में प्रदर्शन करने के लिए क्या करना होता है। इसके साथ ही, हमारे पास ऐसी खिलाड़ी हैं जो अभी भी उच्च स्तर पर अपने खेल को विकसित कर रही हैं और इस तरह का टूर्नामेंट वह माहौल देता है जहां उनका विकास होता है। ' भारतीय टीम ने नेशंस कप में अपने अभियान का आगाज 15 जून को अमेरिका के खिलाफ करेगी। इसके बाद टीम की अगली भिड़ंत जापान से 16 जून को होगी। 18 जून को टीम का सामना उरुग्वे से होगा। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल मुकाबला 20 और फाइनल मैच 21 जून को खेला जाना है।

कोटक महिंद्रा बैंक धोखाधड़ी मामले में बैंक का सहायक उपाध्यक्ष गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोटक महिंद्रा बैंक धोखाधड़ी मामले में बैंक के सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। ईडी के चंडीगढ़ ज़ोनल कार्यालय ने 1 जून को उसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19(1) के तहत गिरफ्तार किया। विशेष पीएमएलए अदालत, पंचकूला ने सिंह को नौ दिन की ईडी कस्टडी में भेजा है, जो 9 जून तक रहेगी। जांच की शुरुआत एसीबी, पंचकूला द्वारा दर्ज एफआईआर से हुई थी। इसमें कोटक महिंद्रा बैंक के अज्ञात अधिकारियों पर नगर निगम पंचकूला के 145 करोड़ रुपये गबन करने का आरोप लगाया गया था। ईडी की जांच में सामने आया कि नगर निगम अधिकारियों, बैंक अधिकारियों और निजी व्यक्तियों ने मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी की। दिलीप कुमार राघव (कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर) ने पुष्पेन्द्र सिंह और विकास कौशिक (पूर्व वरिष्ठ लेखा अधिकारी, नगर निगम पंचकूला) के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम के नाम से दो बैंक खाते खोले। इन खातों से धन को फर्जी प्राधिकरण पत्रों के जरिए इन अवैध खातों में स्थानांतरित किया गया। बाद में यह रकम राजत दहरा, स्वाति तोमर, कपिल कुमार और विनोद कुमार जैसे फाइनेंसर्स को भेजी गई। जांच में पाया गया कि ये सभी फाइनेंसर्स पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशों पर काम कर रहे थे। ईडी ने बताया कि इन फाइनेंसर्स द्वारा प्राप्त धन को वापस पुष्पेन्द्र सिंह और उसकी पत्नी प्रीति ठाकुर के पास भेजा गया। इसके अलावा रकम को रियल एस्टेट कंपनियों और अन्य निजी व्यक्तियों को भी ट्रांसफर किया गया। ईडी ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

सरकार ने एनएचपीसी में छह फीसदी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया शुरू की, बिक्री पेशकश खुली

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी नेशनल हाइड्रो पॉवर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी) में अपनी छह फीसदी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। इसके शेयर बिक्री के लिए न्यूनतम मूल्य 71 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। विनिवेश लक्ष्य के तहत शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत इस कंपनी में सरकार अपने शेयरों को डिस्काउंट पर बेच रही है। एनएचपीसी के अनुसार इस बिक्री से सरकारी खजाने में 4,300 करोड़ रुपये आने का अनुमान है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2025–26 की चौथी तिमाही में 1,549 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में एनएचपीसी कंपनी का शेयर 77.19 रुपये पर बंद हुआ। इसकी तुलना में 71 रुपये प्रति शेयर का ओएफएस मूल्य करीब 8 फीसदी की छूट पर मिल रहा है। एनएचपीसी का शेयर पिछले बंद भाव से 2.07 फीसदी नीचे बंद हुआ था, लेकिन मंगलवार को बाजार खुलने पर इसमें 5.48 फीसदी की गिरावट दिखने लगी और बाजार भाव फिसलकर 72 रुपये के आसपास पहुंच गया है।वित्त वर्ष 2026-27 में भारत सरकार 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) के जरिए सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनएचपीसी में 6 फीसदी की अपनी हिस्सेदारी बेच रही है।

सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में आज लगातार दूसरे दिन शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज ये चमकीली धातु 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में आज 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में आई कमी के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,56,210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,79,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

हरिकांता ओवरसीज की स्टॉक मार्केट में निराशाजनक शुरुआत

नई दिल्ली। सिंथेटिक टेक्सटाइल फैब्रिक का उत्पादन करने वाली कंपनी हरिकांता ओवरसीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री कर अपने आईपीओ निवेशकों को जबरदस्त झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 91 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 12.36 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 79.75 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही कंपनी के शेयर गिर कर 75.77 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक आ गए। इस तर पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 15.23 रुपये यानी 16.74 प्रतिशत का नुकसान हो गया। हरिकांता ओवरसीज का 24.30 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 27 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.12 गुना सब्सक्राइब हो सका।

देश में पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त भंडार: सरकार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल एवं डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। पश्चिम एशिया संकट के बावजूद हम कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की आपूर्ति को बनाए रखने में सफल रहे हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में दावा करते हुए कहा कि हमारे पास पूरे देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। हालांकि कुछ जगहों से ऐसी रिपोर्ट सामने आई हैं जिनमें पेट्रोल एवं डीजल की बिक्री असामान्य रूप से ज्यादा रही है। उन्होंने कहा कि

पिछले तीन दिनों में एलपीजी से संबंधित 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जबकि तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शर्मा ने बताया कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से निगरानी और प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने का अनुरोध किया गया है। तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने भी 460 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर अचानक निरीक्षण किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 42 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरों पर जुर्माना लगाया गया है।

शर्मा ने कहा कि मार्च से अब तक लगभग 8,56,000 पीएनजी कनेक्शनों को गैस से जोड़ा गया है, 2,96,000 कनेक्शन के लिए अतिरिक्त बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है और 8,78,000 नए ग्राहक पंजीकृत किए गए हैं। रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तहत उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस. शर्मा ने बताया कि खरीफ सीजन के लिए उर्वरक का स्टॉक अभी 51 फीसदी पर बनाए रखा गया है, जो कि सामान्य स्तर 33 फीसदी से काफी ज्यादा है। इससे पता चलता है कि सरकार ने पहले से ही स्टॉक जमा करने और लॉजिस्टिक्स का सही तरीके से प्रबंधन किया है। घरेलू उर्वरक उत्पादन लगभग 104.81 लाख एमटी रहा है और लगभग 27.62 लाख एमटी आयात हमारे यहां पहुंच चुका है।

ट्राई ने पंजाब में जांचा मोबाइल नेटवर्क, जियो, एयरटेल रहे आगे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने पंजाब के बठिंडा, श्रीमुक्तसर साहिब शहर और अमृतसर से बठिंडा रेल मार्ग पर मोबाइल नेटवर्क गुणवत्ता की जांच की। इसमें जियो और एयरटेल का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा, जहां बठिंडा में जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 198.27 एमबीपीएस और एयरटेल की 151.88 एमबीपीएस दर्ज की गई। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि इन परीक्षणों में कॉल सेटअप सफलता दर, कॉल ड्रॉप दर, कवरेज, डेटा डाउनलोड और अपलोड स्पीड जैसे प्रमुख मानकों को परखा गया। परीक्षण के दौरान सभी कंपनियों के सिम कार्ड से 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर कॉल और डेटा सेशन चलाए गए और उन्नत उपकरणों से उनकी निगरानी की गई। बठिंडा शहर में एयरटेल और जियो का नेटवर्क सबसे बेहतर पाया गया, जहां कॉल ड्रॉप दर लगभग शून्य रही और डेटा डाउनलोड स्पीड क्रमशः 151.88 एमबीपीएस और 198.27 एमबीपीएस दर्ज की गई। वहीं बीएसएनएल का प्रदर्शन कमजोर रहा, जहां कवरेज गैप और कॉल ड्रॉप की समस्या अधिक दिखी। वोडाफोन आइडिया की औसत डाउनलोड स्पीड 34.07 एमबीपीएस रही। श्रीमुक्तसर साहिब में भी जियो और एयरटेल की सेवाएं सबसे तेज रहीं। जियो ने औसतन 222.90 एमबीपीएस और एयरटेल ने 172.32 एमबीपीएस डाउनलोड स्पीड दर्ज की। बीएसएनएल की स्पीड 18.20 एमबीपीएस रही, जबकि वोडाफोन आइडिया 26.51 एमबीपीएस पर रहा। अमृतसर से बठिंडा रेल मार्ग पर जियो और एयरटेल का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला: ईडी ने 1000 करोड़ से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच के तहत 28 मई को जारी तीन अस्थायी कुर्की आदेशों (पीएओ) के तहत 200 करोड़ रुपये के रजिस्ट्री कीमत और 1000 करोड़ रुपये से अधिक बाजार मूल्य वाली संपत्तियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत अस्थायी रूप से कुर्क कर ली।

ईडी ने बताया कि एजेंसी की जांच में खुलासा हुआ कि अनवर धेबर और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा के नेतृत्व में एक शराब सिंडिकेट ने 2019 से 2023 के बीच राज्य के आबकारी तंत्र में हेरफेर कर 2,883 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध कमाई की। यह रकम शराब की खरीद दरों में कृत्रिम वृद्धि, अवैध शराब निर्माण और एफएल-10ए लाइसेंसों के जरिए कमीशन वसूली से जुटाई गई। पहले आदेशों के तहत विकास अग्रवाल और अनवर धेबर से जुड़ी अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया है। धेबर अग्रवाल सिंडिकेट का वित्तीय प्रबंधक था, जो डिस्टिलरी और लाइसेंस धारियों से कमीशन वसूलकर सीधे धेबर तक पहुंचाता था। अग्रवाल के परिवारजनों के नाम पर संपत्तियां और धेबर की बेनामी संपत्तियां, जिनमें धेबर सिटी होम्स, रायपुर के प्लॉट और पांच भूमि पार्सल शामिल हैं, को कुर्कु किया गया है। इनकी कुल कीमत लगभग 30 करोड़ रुपये है। दूसरे कुर्की आदेश में होटल वेस्टिन गोवा (गांव अंजुना, उत्तर गोवा) को कुर्क किया गया है। यह होटल पैसिफिका होटल्स इंडिया प्रा.लि. के नाम पर है, जिसके निदेशकों में राहुल अग्रवाल और विजय कुमार अग्रवाल शामिल हैं। जांच में पाया गया कि होटल की खरीद पूरी तरह शराब घोटाले से प्राप्त अवैध नकदी से की गई थी, जिसकी कुल कीमत लगभग 110 करोड़ रुपये है। नकदी को चैतन्य बघेल के माध्यम से गोवा तक पहुंचाया गया।

तीसरे कुर्की आदेश में तीन एफएल-10ए लाइसेंसधारी कंपनियों ओम साई बेवरेजेस प्रा.लि., दिशिता वेंचर्स प्रा.लि. और नेक्सजेन पावर इंजिटेक प्रा. लि. के बैंक खाते, शेयर और म्यूचुअल फंड कुर्क किए गए हैं। इन कंपनियों को अपनी कमाई का 50-60 प्रतिशत सिंडिकेट को देना पड़ता था, जिसकी कुल राशि लगभग 51 करोड़ रुपये है। ईडी ने विशेष पीएमएलए अदालत, रायपुर में छठा पूरक अभियोजन शिकायत पत्र भी दाखिल किया है। इसमें चार नए आरोपी विजय भाटिया, टी भुवनेश्वर राव, प्रोबीर शर्मा और निखिल चंद्राकर को नामजद किया गया है। इसके साथ ही पीएमएलए अभियोजन में कुल आरोपितों की संख्या बढ़कर 85 हो गई है। ईडी ने कहा कि आगे की जांच जारी है और धन शोधन की पूरी श्रृंखला का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ईडी ने पीएसीएल मामले में 1,595.85 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने पर्ल्स एग्रोटेक कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसीएल) से जुड़े कथित निवेश घोटाले की जांच के सिलसिले में पंजाब के रामनगर स्थित जियान सागर एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की 14 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। ईडी के अनुसार इन संपत्तियों का वर्तमान बाजार मूल्य 1,595.85 करोड़ रुपये है।ईडी की दिल्ली जोनल इकाई ने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की गई। जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर शुरू की गई थी। यह प्राथमिकी उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। एजेंसी के अनुसार पीएसीएल लिमिटेड और उससे संबंधित संस्थाओं ने कृषि भूमि की खरीद-बिक्री और विकास के नाम पर देशभर के लाखों निवेशकों से 48,000 करोड़ रुपये से अधिक की

राशि जुटाई थी। निवेशकों को एकमुश्त एवं किस्त भुगतान योजनाओं के तहत निवेश के लिए प्रेरित किया गया। इसके लिए उनसे विभिन्न समझौतों और पावर ऑफ अटॉर्नी जैसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर भी कराए गए। हालांकि अधिकांश मामलों में निवेशकों को भूमि का कब्जा नहीं दिया गया और बड़ी राशि अब भी बकाया है।

ईडी ने बताया कि जांच में सामने आया है कि निवेशकों से जुटाई गई राशि को विभिन्न मुखौटा कंपनियों और अन्य संस्थाओं के माध्यम से स्थानांतरित किया गया। इसी धन का उपयोग जियान सागर एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की भूमि और आधारभूत संरचना के विकास में किया गया। कुर्क की गई 14 संपत्तियां अपराध से अर्जित आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) से खरीदी गई थीं।

ईडी ने वर्ष 2016 में इस मामले में ईसीआईआर दर्ज की थी। इसके बाद वर्ष 2018 में अभियोजन शिकायत दायर की गई। साथ ही, वर्ष 2022, 2025 और 2026 में छह अनुपूरक अभियोजन शिकायतें भी दाखिल की गईं। विशेष पीएमएलए अदालत इन सभी शिकायतों पर संज्ञान ले चुकी है।

एमआर मनिवेनी की शेयर बाजार में निराशाजनक शुरुआत, अपर सर्किट के बावजूद घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। फूड प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग का काम करने वाली कंपनी एमआर मनिवेनी फूड्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त डिस्काउंट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 52 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 18.17 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 42.55 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 44.70 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। अपर सर्किट लगने के बावजूद पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 7.30 रुपये यानी 14.04 प्रतिशत के नुकसान में थे। एमआर मनिवेनी फूड्स का 27.04 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन सौ प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.88 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.09 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नया प्लांट तैयार करने और मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.56 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 2.18 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ उछल कर 4.13 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 3.34 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 119.61 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 155 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 203.52 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 116.19 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में लगातार बढ़ोतरी होती रही। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 9.93 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 15 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 20.46 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़कर 22.40 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था। इस अवधि में कंपनी के नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 10.18 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़कर 12.36 करोड़ रुपये हो गया।

कोटक महिंद्रा बैंक धोखाधड़ी मामले में बैंक का सहायक उपाध्यक्ष गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोटक महिंद्रा बैंक धोखाधड़ी मामले में बैंक के सहायक उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया है। ईडी के चंडीगढ़ ज़ोनल कार्यालय ने 1 जून को उसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 19(1) के तहत गिरफ्तार किया। विशेष पीएमएलए अदालत, पंचकूला ने सिंह को नौ दिन की ईडी कस्टडी में भेजा है, जो 9 जून तक रहेगी। जांच की शुरुआत एसीबी, पंचकूला द्वारा दर्ज एफआईआर से हुई थी। इसमें कोटक महिंद्रा बैंक के अज्ञात अधिकारियों पर नगर निगम पंचकूला के 145 करोड़ रुपये गबन करने का आरोप लगाया गया था। ईडी की जांच में सामने आया कि नगर निगम अधिकारियों, बैंक अधिकारियों और निजी व्यक्तियों ने मिलकर सरकारी धन की हेराफेरी की। दिलीप कुमार राघव (कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर) ने पुष्पेन्द्र सिंह और विकास कौशिक (पूर्व वरिष्ठ लेखा अधिकारी, नगर निगम पंचकूला) के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम के नाम से दो बैंक खाते खोले। इन खातों से धन को फर्जी प्राधिकरण पत्रों के जरिए इन अवैध खातों में स्थानांतरित किया गया। बाद में यह रकम राजत दहरा, स्वाति तोमर, कपिल कुमार और विनोद कुमार जैसे फाइनेंसर्स को भेजी गई। जांच में पाया गया कि ये सभी फाइनेंसर्स पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशों पर काम कर रहे थे। ईडी ने बताया कि इन फाइनेंसर्स द्वारा प्राप्त धन को वापस पुष्पेन्द्र सिंह और उसकी पत्नी प्रीति ठाकुर के पास भेजा गया। इसके अलावा रकम को रियल एस्टेट कंपनियों और अन्य निजी व्यक्तियों को भी ट्रांसफर किया गया। ईडी ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है।

आरकॉम बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में अमिताभ झुनझुनवाला गिरफ्तार, सीबीआई ने मुंबई अदालत में किया पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) समूह के पूर्व समूह प्रबंध निदेशक अमिताभ झुनझुनवाला को बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार कर लिया। झुनझुनवाला रिलायंस समूह के कॉरपोरेट वित्त, बैंकिंग और ऋण राशि के उपयोग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का संचालन करते थे तथा विभिन्न बैंकों से ऋण प्राप्त करने में उनकी अहम भूमिका थी।

सीबीआई ने जारी बयान में कहा कि झुनझुनवाला पर आरोप है कि बैंकों से प्राप्त ऋण राशि का दुरुपयोग किया गया, जिससे बैंकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। वह ऋण स्वीकृति के लिए बैंकों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समन्वय करते थे और उनकी देखरेख में ऋण की राशि का उपयोग किया जाता था। ऋण वापस नहीं किए जाने के कारण संबंधित खाते गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) में बदल गए। यह मामला भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। शिकायत में रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और अनिल अंबानी पर बैंक को 2,929.05 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाले 11 बैंकों के समूह ने कंपनी को सावधि ऋण प्रदान किया था, जिससे बैंकों को कुल 6,015 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। शिकायत के अनुसार आरकॉम पर 17 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल 19,694.33 करोड़ रुपये का बकाया था। सीबीआई ने बताया कि आरकॉम, रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड (आरटीएल) से जुड़े मामलों में विभिन्न बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शिकायतों पर छह अन्य प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं। इन मामलों की जांच जारी है और इसकी निगरानी उच्चतम न्यायालय कर रहा है। अमिताभ झुनझुनवाला प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच से जुड़े एक मामले में न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद थे। सीबीआई ने उन्हें इस मामले में हिरासत में लेने के लिए मुंबई की विशेष अदालत से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त किया। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने उन्हें यात्रा के लिए फिट घोषित किया, जिसके बाद उन्हें मुंबई लाया गया और एक जून को अदालत में पेश किया गया। अदालत में पेशी के बाद सीबीआई ने उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजते हुए आर्थर रोड जेल भेज दिया। उनकी पुलिस रिमांड याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होगी।

ईडी ने दीपक केबल्स बैंक धोखाधड़ी मामले में बेंगलुरु में की छापेमारी, 1.27 करोड़ की नकदी-सोना जब्त

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक धोखाधड़ी मामले की जांच के तहत दीपक केबल्स (इंडिया) लिमिटेड से जुड़े परिसरों पर छापेमारी कर कई दस्तावेज, सोने के आभूषण, नकदी जब्त की। इनकी कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक है।

ईडी ने बताया कि एजेंसी के बेंगलुरु ज़ोनल कार्यालय ने 21 मई और 29 मई को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 17 के तहत तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान कंपनी और उसके निदेशक के. वेंकटेश्वर राव, महेश अग्रवाल (निदेशक, अधुनिक कॉरपोरेशन लिमिटेड) और अन्य से जुड़े कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। ईडी ने 1.27 करोड़ रुपये मूल्य के सोने (आभूषण) और नकदी को ज़ब्त किया तथा 18 करोड़ रुपये शेष राशि वाले कई बैंक खातों को अस्थायी रूप से फ्रीज़ कर दिया। जांच की शुरुआत सीबीआई द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर हुई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि दीपक केबल्स इंडिया लिमिटेड और उसके निदेशक के वेंकटेश्वर राव ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व वाले बैंक समूह को 899.35 करोड़ रुपये का चूना लगाया। कंपनी ने बड़े पैमाने पर ऋण सुविधाएं हासिल कीं और बाद में इन फंड्स को दूसरी जगह मोड़ दिया। आरोप है कि कंपनी ने फर्जी वित्तीय विवरण और हेरफेर किए गए खातों के दस्तावेज़ जमा कर बैंक ऋण प्राप्त किया और उसे जारी रखा। ईडी की जांच में सामने आया कि आरोपियों ने काल्पनिक बिक्री-खरीद, सर्कुलर ट्रेडिंग और फर्जी कॉरपोरेट गारंटी का इस्तेमाल किया। इन लेन-देनों से कंपनी ने कृत्रिम रूप से कारोबार का आंकड़ा बढ़ाया, बैंकों से अधिक ऋण सीमा हासिल की, पुराने ऋणों को बनाए रखा और अपराध से प्राप्त धन को संबंधित कंपनियों और व्यक्तिगत खातों में भेजकर उसकी असली पहचान छिपाई। जांच में यह भी पाया गया कि बड़ी मात्रा में ऋण राशि को बिना किसी व्यावसायिक तर्क के वेंकटेश्वर राव के नियंत्रण वाली कंपनियों में स्थानांतरित किया गया।

स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री के बाद याश्वी ज्वेलर्स के शेयरों में आई तेजी, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। यशस्वी ब्रांड नेम से गोल्ड ज्वेलरी सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी याश्वी ज्वेलर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में फ्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। हालांकि बाद में शेयरों में शुरू हुई खरीदारी से आईपीओ निवेशकों के चेहरे खिल गए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 83 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 83 रुपये के स्तर पर ही हुई।फ्लैट लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे ये शेयर उछल कर 87 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे ये शेयर 86.19 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक 3.84 प्रतिशत के फायदे में थे। याश्वी ज्वेलर्स का 43.88 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 27 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.40 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.76 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 52,86,400 नए शेयर जारी किए गए हैं।

भारत को वैश्विक प्रतिभा केंद्र बनाने के लिए कौशल अंतराल दूर करने पर मंथन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत को वैश्विक प्रतिभा केंद्र के रूप में मजबूत बनाने और उभरती कौशल आवश्यकताओं तथा रोजगार बाजार की मांगों के बीच अंतर को कम करने के उद्देश्य से कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय और विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने नई दिल्ली में 'इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर' (आईएसए) की उच्चस्तरीय गोलमेज बैठक आयोजित की। बैठक में सरकार, उद्योग जगत, शिक्षाविदों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विकास भागीदारों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर कौशल विकास से जुड़ी प्राथमिकताओं और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की। 'इनसाइट टू एक्शन : ग्रोथ के लिए स्किल गैप को पाटना' विषय पर आयोजित इस बैठक में कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी, शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार, अपोलो हेल्थको की कार्यकारी अध्यक्ष शोभना कमिनेनी और बजाज फिनसर्व के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक संजीव बजाज ने संयुक्त रूप से अध्यक्षता की। विश्व आर्थिक मंच के प्रबंध निदेशक मिरेक दुशेक भी बैठक में शामिल हुए। जनवरी 2026 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद शुरू किए गए इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर को कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय की मेजबानी में विश्व आर्थिक मंच के ग्लोबल एक्सेलरेटर नेटवर्क के तहत संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सहयोग से कौशल प्रणाली को बदलती रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना, कौशल वित्तपोषण के नवाचार मॉडल विकसित करना तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उन्नत विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला और हरित अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों के लिए कार्यबल को तैयार करना है। जयंत चौधरी ने कहा कि भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति विश्व की सबसे बड़ी विकास शक्ति बन सकती है, बशर्ते कौशल को लगातार प्रौद्योगिकी, उद्योग और समाज की बदलती जरूरतों के अनुरूप ढाला जाए। उन्होंने कहा कि इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर सरकार, उद्योग, शिक्षण संस्थानों और वैश्विक संगठनों के बीच सहयोग का नया मॉडल प्रस्तुत करता है, जो केवल चुनौतियों पर चर्चा नहीं बल्कि समाधान विकसित करने का मंच भी है। डॉ. सुकांत मजूमदार ने कहा कि शिक्षा और रोजगार क्षमता के बीच गहरा समन्वय समय की आवश्यकता है। तेजी से बदलती तकनीकों के दौर में संस्थानों को विद्यार्थियों को केवल ज्ञान ही नहीं बल्कि प्रासंगिक कौशल, अनुकूलन क्षमता और आजीवन सीखने की मानसिकता भी प्रदान करनी होगी। विश्व आर्थिक मंच की प्रबंध निदेशक सादिया ज़ाहिदी ने कहा कि भारत वैश्विक कार्यबल के भविष्य को दिशा देने की मजबूत स्थिति में है। इसके लिए सरकार, उद्योग और शिक्षा क्षेत्र के बीच प्रभावी सहयोग आवश्यक है, ताकि कौशल विकास प्रणाली आर्थिक और तकनीकी बदलावों के साथ कदम मिला सके। बैठक में श्रम बाजार को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों की पहचान, कौशल अंतराल को दूर करने के उपायों की समीक्षा और इंडिया स्किल्स एक्सेलरेटर के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न पक्षों के साझा सहयोग पर जोर दिया गया। विचार-विमर्श के निष्कर्षों के आधार पर कार्यक्रम के क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक में अपोलो हॉस्पिटल्स, बजाज फिनसर्व, जेएसडब्ल्यू समूह, महिंद्रा समूह, आरपी-संजीव गोयनका समूह, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, रिलायंस फाउंडेशन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईबीएम और रिन्यू सहित कई उद्योग समूहों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इसके अलावा भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), फिक्की, ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली-एफआईटीटी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम तथा विभिन्न मंत्रालयों और संस्थानों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

हाउस की उपसमिति के सामने ट्रंप प्रशासन की 'अमेरिका फर्स्ट' विदेश नीति का बचाव करेंगे मार्को रुबियो

एजेंसी
वाशिंगटन । अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो मंगलवार को हाउस की उपसमिति के सामने विदेश विभाग के बजट प्रस्ताव को पेश करेंगे। इस दौरान वह विदेश मदद, कूटनीति और क्षेत्रीय सुरक्षा में किए गए बड़े बदलावों का बचाव करते हुए प्रतिनिधियों को यह बताने वाले हैं कि ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी विदेश नीति को इस तरह बदला है कि उसका मुख्य फोकस अमेरिका के अपने हितों को आगे बढ़ाना हो गया है। आईएएनएस को पहले से मिले उनके तैयार भाषण के अनुसार, रुबियो हाउस नेशनल सिक्योरिटी, डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट और रिलेटेड प्रोग्राम्स पर हाउस एप्रोप्रिएशन्स उपसमिति के सामने यह तर्क देंगे कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तहत अमेरिकी विदेश नीति अब फिर से अपने मूल मकसद पर लौट आई है। यानी अमेरिकी लोगों, देश, संप्रभुता, सभ्यता और भविष्य की रक्षा करना। यह पूरा बयान ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति का एक मजबूत बचाव पेश करता है, जो ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के लगभग डेढ़ साल बाद दिया जा रहा है। रुबियो का कहना है कि अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी सैन्य और आर्थिक शक्ति बना हुआ है, लेकिन इस ताकत का इस्तेमाल सबसे पहले अपने देश के हितों को आगे बढ़ाने के लिए होना चाहिए।

सीमा अतिक्रमण वाले बयान पर बालेन्द्र शाह अडिग, जरूरत पड़ी तो संसद में देंगे जवाब

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह विपक्षी दलों के माफी मांगने और बयान वापस लेने की मांग को ठुकराते हुए अपनी बात पर कायम हैं। उनकी तरफ से कहा गया है कि संसद में दिया गया बयान सोच समझकर ही दिया गया है। सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने कहा है कि नेपाल-भारत सीमा विवाद समेत विभिन्न मुद्दों पर आवश्यकता पड़ने पर प्रधानमंत्री बालेन शाह दोबारा संसद में उपस्थित होकर जवाब देने के लिए तैयार हैं। मंगलवार को मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए पोखरेल ने कहा कि प्रधानमंत्री संसद के प्रति जवाबदेह हैं। वह पहले भी सदन में उपस्थित होकर जवाब दे चुके हैं। उन्होंने दोहराया कि सरकार सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों को संवाद और कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने के पक्ष में है तथा इस दिशा में दोनों देशों के बीच स्थापित प्रक्रियाएं सक्रिय हैं। सरकारी प्रवक्ता पोखरेल ने प्रधानमंत्री के बयान का बचाव करते हुए कहा कि कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां वर्तमान में भारत के उपयोग में लाई जा रही भूमि नेपाल की सीमा में पड़ सकती है, जबकि कुछ ऐसे भारतीय क्षेत्र भी हो सकते हैं, जिनका उपयोग नेपाल कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने इसी वास्तविकता का उल्लेख किया था। पोखरेल के अनुसार यह जानकारी नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद के समाधान के लिए गठित द्विपक्षीय तंत्र और कूटनीतिक प्रक्रियाओं के दौरान सामने आई थी। उन्होंने बताया कि स्वयं प्रधानमंत्री ने भी कहा था कि यह जानकारी सुनकर उन्हें आश्चर्य हुआ था।

काठमांडू के होटल से 15 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार, ऑनलाइन ठगी में थे सक्रिय

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के अपराध अनुसंधान कार्यालय की एक टीम ने गोपनीय सूचना के आधार पर छापेमारी करके एक होटल से 15 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, सभी बांग्लादेशी नागरिक नेपाल में पर्यटक (विजिट) वीजा पर आए थे, लेकिन उनकी गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह सभी महिलाओं के नाम और पहचान का उपयोग करते हुए फर्जी फेसबुक अकाउंट संचालित कर रहे थे। इन खातों के माध्यम से वे बांग्लादेश और भारत के नागरिकों से संपर्क स्थापित करते थे। पुलिस को आशंका है कि उनका संबंध ऑनलाइन ठगी तथा अन्य अवैध गतिविधियों से हो सकता है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने घटनास्थल से विभिन्न डिजिटल उपकरण और अन्य संबंधित सामग्री भी बरामद की है। गिरफ्तार सभी बांग्लादेशी नागरिकों को आगे की जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए नेपाल अध्यागमन विभाग को सौंप दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और उनकी गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई स्थानों पर रूसी हवाई हमला, 10 की मौत, 100 घायल

कीव (यूक्रेन)। रूस ने सोमवार रात से लेकर मंगलवार सुबह तक यूक्रेन की राजधानी कीव पर देश के अन्य हिस्सों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इन हमलों में कम से कम 10 लोग मारे गए और 100 से ज्यादा घायल हो गए। हमलों में कीव में चार और सेंट्रल शहर नीप्रो में छह लोगों की जान चली गई। रूस ने मिसाइल और ड्रोन से राजधानी को निशाना बनाया। हमले में अनेक रिहायशी और वाणिज्यिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। आग लगने से कई कारें जल गईं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने बताया कि रूस ने बैलिस्टिक मिसाइल हमले की चेतावनी दी। इसके कुछ देर बाद राजधानी कीव में लगातार कई धमाके हुए। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि यह बहुत बड़ा हमला है। क्लिट्स्को के मुताबिक, पोडिल्स्की जिले में एक बहुमंजिला इमारत के मलबे में लोग अभी भी फंसे हुए हैं। कीव शहर के मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख टिमुर तकाचेंको ने टेलीग्राम पर लिखा, शुरुआती रिपोर्ट से पता चलता है कि मलबे में कुछ लोग फंसे हुए हैं। कीव के रीजनल गवर्नर, मायकोला कलाश्निक ने कहा, पूरी रात दुश्मन ने ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल करके कीव इलाके पर बड़े हमले किए।

क्षेत्रीय तनाव कम करने को लेकर कतर के पीएम ने अराघची से फोन पर की बात

एजेंसी
दोहा । कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल-थानी ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बात की और क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। यह जानकारी कतर के विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) जारी एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों के साथ-साथ लेबनान की ताजा स्थिति पर भी बात की। समाचार एजेंसी स?िन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अल-थानी ने कहा कि कतर इस संकट का समाधान निकालने के लिए एक व्यापक समझौते का समर्थन करता है। उन्होंने सभी पक्षों से अपील की कि वे मध्यस्थता की कोशिशों में सकारात्मक तरीके से भाग लें, ताकि क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता

लाई जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि समुद्री मार्गों पर आवाजाही की स्वतंत्रता एक बुनियादी सिद्धांत है और इससे किसी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि होर्मुज स?ट्रेट को बंद करना या उसे दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करना स्थिति को और गंभीर बना सकता है और क्षेत्र के देशों के महत्वपूर्ण हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। कतर के प्रधानमंत्री ने फिर दोहराया कि क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान बातचीत और कूटनीतिक तरीकों से ही निकाला जाना चाहिए, ताकि तनाव और न बढ़े। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता को आगे बढ़ाने और खाड़ी क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिशें जारी हैं। होर्मुज स?ट्रेट में समुद्री सुरक्षा और जहाजों की आवाजाही को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं, क्योंकि यह दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है। सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, इस बीच, ईरान की मुख्य सैन्य कमान खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने इजरायल को चेतावनी दी कि वह लेबनान की राजधानी बेरूत और उसके दक्षिणी इलाके दाहियेह पर बमबारी न करे। एक बयान में सैन्य कमान ने कहा कि अगर इजरायल अपने हमले जारी रखता है, तो उत्तरी इजरायल और कब्जे वाले फि?लिस्तीनी क्षेत्रों में मौजूद सैन्य बस्तियों के लोगों को वहां से निकल जाना चाहिए। बयान में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर आरोप लगाया गया कि वे बेरूत और दाहियेह पर हमले की धमकी देकर पश्चिम एशिया में अपनी 'हानिकारक गतिविधियां' जारी रखे हुए हैं।

मेक्सिको का यूएसएमसीए समीक्षा में अमेरिका से टैरिफ खत्म करने पर रहेगा जोरः मंत्री मार्सेलो

एजेंसी
मेक्सिको सिटी । मेक्सिको के अर्थव्यवस्था मंत्री मार्सेलो एब्रार्ड ने कहा है कि मेक्सिको, उत्तरी अमेरिका के त्रिपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा प्रक्रिया के दौरान अमेरिका पर दबाव बनाएगा कि वह मौजूदा टैरिफ को खत्म करे। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने एक कार्यक्रम में बताया कि पिछले हफ्ते अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते (यूएसएमसीए) की औपचारिक समीक्षा के पहले दौर की बातचीत के बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने कई सुझाव रखे हैं। एब्रार्ड ने पत्रकारों से कहा, 'अमेरिका की तरफ से कई तरह के प्रस्ताव आए हैं, जिनमें प्रोडक्ट कंटेंट, 'रूल्स ऑफ ओरिजिन', तीसरे देशों से जुड़े नियम और अन्य मुद्दे शामिल हैं।' उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम, ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और आर्थिक सुरक्षा जैसे विषयों का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका वैश्विक व्यापार व्यवस्था में एक 'बड़ा बदलाव' कर रहा है, जिसमें यूएसएमसीए भी शामिल है। उनके अनुसार, अमेरिका अब ऐसी नीति अपना रहा है जिसमें अलग-अलग देशों से आने वाले सामान पर अलग-अलग टैरिफ लगाए जा रहे हैं। मेक्सिकन अधिकारियों का कहना है कि यह तरीका पिछले कई दशकों से चले आ रहे अंतरराष्ट्रीय व्यापार सिस्टम से काफी अलग है, खासकर मेक्सिको और कनाडा जैसे साझेदार देशों के लिए। एब्रार्ड ने कहा, 'अभी अमेरिका एक ऐसा सिस्टम बना रहा है जिसमें अलग-अलग देशों को अलग-अलग टैरिफ देना होगा।

किम जोंग-उन ने पार्टी स्कूल को बताया 'रणनीतिक किला', 80वीं वर्षगांठ पर किया दौरा

एजेंसी
सोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया (डब्ल्यूपीके) के एक अहम राजनीतिक स्कूल का दौरा किया। यह दौरा उस स्कूल की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर किया गया। उन्होंने इस स्कूल को पार्टी का 'रणनीतिक किला' बताया, जो पार्टी के अस्तित्व को बनाए रखने में मदद करता है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के अनुसार, किम जोंग-उन एक दिन पहले पार्टी के सीनियर नेताओं के साथ डब्ल्यूपीके के 'सेंट्रल कैडर्स ट्रेनिंग स्कूल' में गए थे। यह उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा राजनीतिक शिक्षा संस्थान है, जहां पार्टी के अधिकारियों को तैयार और प्रशिक्षित किया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क?िम ने अपने भाषण में कहा कि यह स्कूल अब अपने 'पवित्र मूल नाम' को और मजबूत कर रहा है, जो पार्टी के अस्तित्व और विकास की गारंटी देने वाला अहम किला बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि युवा अधिकारियों को पार्टी की विचारधारा ठीक से सिखाना बहुत जरूरी है, क्योंकि नई पीढ़ी के कुछ लोगों में पार्टी के प्रति पूरी निष्ठा की कमी हो सकती है। किम ने जोर दिया कि उत्तर कोरिया की 'जन-केंद्रित नीति' समय बदलने के बावजूद नहीं बदलेगी। लेकिन उन्होंने यह भी माना कि 'जन-विरोधी काम' जैसे सत्ता का दुरुपयोग, नौकरशाही और भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं भी सामने आई हैं। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, दौरे के बाद उन्होंने स्कूल में एक दोस्ताना फुटबॉल मैच भी देखा। यह मैच उत्तर कोरिया की अंडर-17 महिला टीम और क्लब टीम नेगोह्यांग के बीच खेला गया। यह कार्यक्रम स्कूल की सालगिरह के जश्न के तौर

पर रखा गया था। नेगोह्यांग महिला एफसी ने पिछले महीने एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) महिला चैंपियंस लीग के लिए दक्षिण कोरिया का दौरा किया था और शीर्ष एशियाई महिला फुटबॉल खिताब जीता था। उत्तर कोरिया की यू-17 महिला फुटबॉल टीम ने मई में एएफसी यू-17 महिला एशियाई कप जीता था।मैच से पहले किम ने खिलाड़ियों से गर्मजोशी से मुलाकात की, उन्हें 'देश की भरोसेमंद बेटियां' कहा और उनके साथ फोटो भी खिंचवाई।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्ट बैंक में सेटलर हिंसा को लेकर तीन इजरायली व्यक्तियों और चार संस्थाओं पर लगाए प्रतिबंध

एजेंसी
कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया सरकार ने मंगलवार को तीन इजरायली व्यक्तियों और चार संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाए हैं। यह कदम वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ बढ़ती सेटलर हिंसा के जवाब में उठाया गया है। विदेश मंत्री पेनी वोंग ने एक बयान में कहा कि वेस्ट बैंक में सेटलर हिंसा इजरायल की सुरक्षा और दुनिया में उसकी छवि दोनों को नुकसान पहुंचाती है। समाचार एजेंसी के अनुसार, वोंग ने बताया कि इन व्यक्तियों और संस्थाओं पर वित्तीय प्रतिबंध लगाए जाएंगे। इसका मतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई लोग उन्हें कोई पैसा या संपत्ति नहीं दे सकेंगे। साथ ही इन व्यक्तियों के ऑस्ट्रेलिया आने पर भी रोक लगा दी जाएगी।

वोंग ने कहा, 'जिन संस्थाओं को सूची में शामिल किया गया है, उनमें ऐसे कृषि आउटपोस्ट भी हैं जो सेटलर हिंसा के केंद्र के रूप में काम करते हैं। ' उन्होंने आगे कहा, 'सेटलर हिंसा का इस्तेमाल फि?लिस्तीनियों को उनके घरों से हटाने और बस्ती विस्तार को आगे बढ़ाने के लिए किया जाता है। इसमें संपत्ति का नुकसान, परिवारों को जबरन हटाना, मारपीट, यौन हिंसा और यातना शामिल हैं, जिससे गंभीर चोटें और मौतें तक होती हैं। '

वोंग ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने इस कदम में न्यूजीलैंड सहित अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर काम किया है। उन्होंने कहा कि ये प्रतिबंध इजरायल और फि?लिस्तीन दोनों की सुरक्षा और भविष्य के प्रति ऑस्ट्रेलिया की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मई में ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, नॉर्वे, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड के नेताओं के साथ मिलकर वेस्ट बैंक में बढ़ती इजरायली बस्ती गतिविधियों को रोकने की अपील की थी।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि वेस्ट बैंक की स्थिति 'काफी बिगड़ चुकी है' और सेटलर हिंसा बहुत ज़्यादा हो गई है। नेताओं ने कहा कि वेस्ट बैंक में इजरायली बस्तियां अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अवैध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ई-1 इलाके में निर्माण से वेस्ट बैंक दो हिस्सों में बंट जाएगा और यह अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन होगा।

उन्होंने कंपनियों से अपील की कि वे ई-1 या अन्य बस्ती विकास परियोजनाओं के निर्माण टेंडर में भाग न लें, क्योंकि इससे कानूनी और प्रतिष्ठा से जुड़े जोखिम हो सकते हैं।

इस बयान में दो-राष्ट्र समाधान का समर्थन दोहराया गया, जिसमें इजरायल और फिलिस्तीन को शांति और सुरक्षा के साथ एक-दूसरे के साथ रहने की बात कही गई है।

लेबनान का दावा : हिज्बुल्लाह ने इजरायल के साथ आपसी हमले रोकने के अमेरिकी प्रस्ताव को माना

एजेंसी
बेरूत । लेबनान के अधिकारियों ने पुष्टि करते हुए बताया कि हिज्बुल्लाह ने अमेरिका के एक प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस प्रस्ताव में इजरायल के साथ 'आपसी हमलों को रोकने' की बात कही गई है। यह जानकारी लेबनानी राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान में दी गई, जिसमें लेबनान के अमेरिका स्थित दूतावास का हवाला दिया गया है। यह बयान सोमवार (स्थानीय समय) को जारी किया गया। इसमें कहा गया कि यह पुष्टि उस फोन कॉल के बाद हुई, जो लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच हुई थी। इस बातचीत में लेबनान की स्थिति और तनाव कम करने के प्रयासों पर चर्चा हुई। दूतावास के अनुसार, अमेरिकी प्रस्ताव में कहा गया है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमले रोकेंगे। इस प्रस्ताव के तहत, बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर इजरायल के हवाई हमले रुक जाएंगे। बदले में हिज्बुल्लाह

इजरायल पर अपने हमले बंद करेगा। बाद में इस समझौते को पूरे लेबनान तक लागू करने की योजना है। दूतावास ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बाद में अमेरिका में लेबनानी राजदूत नाडा हमदेह मौवाड को बताया कि उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की इस प्रस्ताव पर सहमति ले ली है। इसके बाद मौवाड ने यह जानकारी राष्ट्रपति आउन को दी, जिन्होंने आगे यह बात हिज्बुल्लाह तक पहुंचाई। बयान के अनुसार, मंगलवार और बुधवार को होने वाली बातचीत में इस समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा की जाएगी।

वहीं, ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने रिपोर्ट किया कि ईरान ने इजरायल की लेबनान में कार्रवाई के विरोध में अमेरिका के साथ मध्यस्थों के जरिए होने वाली बातचीत रोक दी है।इसी दिन, इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि उन्होंने बेरूत के दहिये इलाके पर हमले के आदेश दिए हैं। यह इलाका हिज्बुल्लाह का गढ़ माना जाता है। यह कदम हिज्बुल्लाह की ओर से इजरायली सैन्य ठिकानों पर बढ़ते रॉकेट और ड्रोन हमलों के बाद उठाया गया। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने बयान में कहा कि एक इजरायली सैन्य डॉक्टर की मौत हो गई और सात सैनिक घायल हुए, जब हिज्बुल्लाह की ओर से एक साथ दो विस्फोटक ड्रोन दागे गए।

दक्षिण कोरिया और कनाडा ने अंतरिक्ष और रक्षा साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा की

एजेंसी
सोल । दक्षिण कोरिया और कनाडा ने अंतरिक्ष और रक्षा जैसे उन्नत उद्योगों में अपनी साझेदारी को और व्यापक करने पर चर्चा की। मंगलवार को दक्षिण कोरिया के उद्योग मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब सोल कनाडा की पनडुब्बी परियोजना हासिल करने की आखिरी कोशिश कर रहा है। दक्षिण कोरिया के व्यापार, उद्योग और संसाधन मंत्रालय और कोरिया ट्रेड-इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (कोट्रा) ने (स्थानीय समय) को टोरंटो में एक बिजनेस राउंडटेबल आयोजित किया, जिसका मकसद कोरियाई और कनाडाई कंपनियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना था। मंत्रालय के अनुसार, इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ कांग हून-सिक भी शामिल हुए, जो इस समय विशेष आर्थिक सहयोग के लिए दक्षिण कोरिया के प्रतिनिधि के रूप में कनाडा में हैं। उनके साथ उप उद्योग मंत्री मून शिन-हक, रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन के मंत्री ली योंग-चियोल और दोनों देशों के करीब 50 बिजनेस लीडर भी मौजूद थे। उच्च स्तरीय कोरियाई अधिकारियों की यह यात्रा कनाडा में इस बात का संकेत मानी जा रही है कि सोल, ओटावा की बड़ी पनडुब्बी खरीद परियोजना को जीतने के लिए पूरी कोशिश कर रहा है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अभी दक्षिण कोरिया की हानवा ओशन कंपनी और एचडी हुंडई हैवी इंडस्ट्रीज का संयुक्त समूह जर्मनी की थाइसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स से मुकाबला कर रहा है। यह लगभग 60 ट्रिलियन वॉन (करीब 39.7 अरब अमेरिकी डॉलर) की डील है। उम्मीद है कि कनाडा जून के अंत तक अपना पसंदीदा बोलीदाता चुन लेगा। बिजनेस राउंडटेबल के दौरान, हानवा ने दक्षिण कोरिया और कनाडा के बीच अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के तरीके बताए, जबकि हुंडई मोटर कंपनी ने दोनों देशों के बीच हाइड्रोजन साझेदारी का अपना विजन पेश किया।

क्यूशू की ओर बढ़ रहा 'जांगमी' तूफान, ओकिनावा में दस से ज्यादा लोग घायल, सैकड़ों फ्लाइट कैंसिल

एजेंसी
टोक्यो । ओकिनावा के पास भयंकर तबाही मचाने के बाद भीषण तूफान 'जांगमी' मंगलवार को जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप क्यूशू की ओर उत्तर दिशा में बढ़ रहा है। यह जानकारी जापान की मौसम एजेंसी ने दी। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने बताया कि सुबह 7 बजे (स्थानीय समय) तक टाइफून 'जांगमी' ओशिमा द्वीप के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में था। यह द्वीप कागोशिमा और ओकिनावा प्रांतों के बीच आता है। तूफान करीब 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पूर्व दिशा में आगे बढ़ रहा है। स?िन्हुआ समाचार एजेंसी ने सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के हवाले से बताया कि ओकिनावा में तेज हवाओं की वजह से 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं।

क्यूशू और आसपास के इलाकों में मंगलवार को 320 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। इसके अलावा, शिंकनसेन बुलेट ट्रेनें भी प्रभावित हो सकती हैं। बताया जा रहा है कि टोकाइडो लाइन पर मंगलवार रात से बुधवार तक रुकावटें आ सकती हैं। मौसम एजेंसी ने तेज हवाओं और भारी बारिश की चेतावनी दी है। इससे अमामी क्षेत्र में मंगलवार को और पश्चिमी जापान में मंगलवार से बुधवार तक भूस्खलन, निचले इलाकों में बाढ़ और नदियों के उफान का खतरा बताया गया है।

पिछले साल सितंबर में आए 'पेइपाह' की वजह से भी काफी नुकसान हुआ था। उसमें 24 लोग घायल हुए थे और शिजुओका प्रांत के चार शहरों में 40 घरों को नुकसान पहुंचा था।

माकिनोहारा शहर में लोगों ने बताया था कि तेज हवाओं से घरों की छतों की टाइलें उड़ गईं, बिजली के खंभे गिर गए और कई दूसरी घटनाएं हुईं। सरकारी प्रसारक एनएचके के अनुसार, सबसे ज्यादा नुकसान माकिनोहारा में हुआ था, जहां तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए और 20 लोगों को हल्की चोटें आईं।

इसके अलावा, याइजू शहर में एक कृषि ग्रीनहाउस तेज हवाओं में उड़ गया, जिससे 40 साल के एक किसान के चेहरे पर गंभीर चोट लग गई।

चूबू इलेक्ट्रिक पावर ग्रिड कंपनी ने बताया कि मकिनोहारा और आसपास के इलाकों में करीब 17,000 घरों की बिजली कुछ समय के लिए चली गई थी। यह टॉर्नेडो और तेज हवाओं के असर की वजह से हुआ था।

आयोवा में गोलीबारी, सात की मौत

एजेंसी
न्यूयॉर्क । अमेरिका से एक बार फिर गोलीबारी की दहला देने वाली खबर आई। आयोवा के मस्कटाइन में अलग-अलग जगहों पर फायरिंग के बाद संदिग्ध बंदूकधारी समेत सात लोग मृत पाए गए। मस्कटाइन पुलिस ने बताया कि सोमवार को स्थानीय समयानुसार (1712 जीएमटी) के हिसाब से दोपहर करीब 12:12 बजे एक घर में गोलीबारी की खबर मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे। यहां घर के अंदर चार लोगों को घायलावस्था में पाया। चारों को मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। जांच कर्मियों ने 52 साल के आदमी की पहचान संदिग्ध के तौर पर की, जो अधिकारियों के पहुंचने से पहले घर से निकल गया था और बाद में रिवरफ्रंट ट्रेल पर घायल हालत में मिला। उसने खुद को गोली मारी थी। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, उसे भी मौके पर ही मृत घोषित कर दिया गया। जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों को दूसरे घर में एक और स्थानीय बाजार में एक और

शव मिला। पुलिस ने एक बयान जारी कर कहा, 'शुरुआती जांच से पता चलता है कि गोलीबारी घरेलू झगड़े की वजह से हुई थी। इस समय, माना जा रहा है कि सभी मृतक संदिग्ध के परिजन थे। ' इस पूरे मामले को लेकर जांच जारी है। इस घटना ने करीब डेढ़ महीने पहले अमेरिका के लुइसियाना में हुई फैमिलिसाइड को याद दिला दिया है, जिसे आपराधिक भाषा में 'फैमिलिसाइड' कहा जाता है यानी किसी व्यक्ति का अपने ही परिवार के कई सदस्यों की हत्या करना। इस प्रकार की घटनाएं अत्यंत दुर्लभ होती हैं, लेकिन जब भी घटती हैं, समाज को झकझोर देती हैं। लुइसियाना के श्रेवपोर्ट में 19 अप्रैल को एक शख्स ने परिवार के 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। यहां एक व्यक्ति ने 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मारे गए बच्चों की उम्र 1 से 14 साल के बीच थी। 7 बच्चे उस के अपने थे और आठवें का वो अंकल था। वारदात को हाल की खतरनाक शूटिंग में से एक माना गया था। आठ बच्चों में पांच लड़कियां और तीन लड़के थे। उसने जब बच्चों पर फायरिंग की, तब वे सो रहे थे। यहां भी हत्या की वजह घरेलू विवाद बताया गया था।

नेपाल में वीरगंज मेयर दूसरे की बेटी को अपना बताकर फर्जी जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के आरोप में गिरफ्तार

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल की आर्थिक राजधानी वीरगंज के मेयर राजेशमान सिंह को पुलिस ने मंगलवार सुबह पर्सा जिले के ठोरी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। उन्हें एक रिसॉर्ट से दबोचा गया। उन्हें किसी अन्य व्यक्ति की बेटी को अपनी बताकर उसका जन्म प्रमाणपत्र बनवाने और इसी आधार पर उसके नागरिकता दिलाने और उसका पासपोर्ट बनवाकर उसे विदेश भेजने का आरोप है। जिला प्रहरी कार्यालय पर्सा प्रमुख सुदीपराज पाठक ने यह जानकारी दी।पुलिस अधिकारी पाठक ने बताया कि मेयर सिंह को जिला अदालत पर्सा द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए जाने के आठ दिन बाद गिरफ्तार करने में सफलता मिली। इस संबंध में मेयर सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मेयर सिंह गिरफ्तारी की अनुमति मिलने के बाद एक दिन अदालत में उपस्थित हुए, लेकिन बाद में फरार हो गए थे। नेपाल में इस अपराध में दोष सिद्ध होने पर 7 वर्ष तक की कैद और 70 हजार नेपाली रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। अभियोजन पक्ष ने मेयर राजेशमान सिंह के लिए भी इसी सजा की मांग की है।

जापान में तूफान जांगमी का कहर : 9 घायल, 47 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल

एजेंसी
टोक्यो । जापान में उष्णकटिबंधीय तूफान जांगमी (जापान में टाइफून नंबर-6) से सामान्य जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। इसकी वजह से मंगलवार दोपहर नौ लोग घायल हो गए, जबकि ओकिनावा और कागोशिमा में 47,000 से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। स्थानीय मीडिया आउटलेट्स ने इसकी जानकारी दी। द जापान टाइम्स के अनुसार, तूफान के क्यूशू क्षेत्र की ओर बढ़ने से व्यापक असर देखने को मिला। मंगलवार सुबह 11:45 बजे (स्थानीय समयानुसार) तक यह तूफान कागोशिमा प्रांत के याकुशिमा द्वीप से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित था और 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ रहा था। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, तूफान का केंद्रीय दबाव 975 हेक्टोपास्कल दर्ज किया गया, जबकि केंद्र के पास हवा की गति 25 मीटर प्रति सेकंड तक पहुंच रही थी।

क्योडो न्यूज एजेंसी के अनुसार, जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि मंगलवार सुबह 6 बजे तक कागोशिमा और ओकिनावा प्रांतों में छह घरों को आंशिक नुकसान, सड़कों पर जलभराव, पेड़ों के गिरने और तेज हवाओं से वस्तुओं के उड़ने की घटनाएं सामने आई हैं। घायल हुए सभी नौ लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

सुबह 5 बजे तक दोनों प्रांतों में लगभग 47,930 घरों की बिजली गुल थी। वहीं, परिवहन सेवाएं भी प्रभावित हुईं। एहतियात के तौर पर 15 खंडों वाले दो एक्सप्रेसवे मार्ग बंद कर दिए गए और एक रेल लाइन पर सेवाएं निलंबित कर दी गईं। इसके अलावा, छह अन्य रेल ऑपरेटरों ने दिन में बाद में 19 लाइनों पर सेवाएं रोकने की योजना बनाई।

मंगलवार को मुख्य रूप से क्यूशू क्षेत्र से आने-जाने वाली 300 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। समुद्री परिवहन भी प्रभावित हुआ है, जहां किंकी, शिकोकू, क्यूशू और ओकिनावा क्षेत्रों में 57 कंपनियों के 64 नौवहन मार्गों पर सेवाएं स्थगित कर दी गईं।

किहारा ने कहा कि सरकार स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर जानकारी साझा करने, नुकसान का आकलन करने और आपातकालीन राहत कार्यों में जुटी हुई है।

उन्होंने चेतावनी दी कि बुधवार सुबह से टोक्यो महानगरीय क्षेत्र में भी परिवहन सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

उन्होंने कहा, 'तूफान प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से अपील है कि वे स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी निकासी संबंधी निर्देशों पर ध्यान दें, आवश्यकता पड़ने पर समय रहते सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं और अपनी सुरक्षा के लिए सतर्क रहें। '

मौसम एजेंसी ने तेज हवाओं, ऊंची समुद्री लहरों, तूफानी ज्वार, भूस्खलन, निचले इलाकों में बाढ़ तथा नदियों के उफान की चेतावनी जारी की है।

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, तूफान मंगलवार को धीरे-धीरे पूर्व की ओर मुड़ते हुए दक्षिणी क्यूशू के करीब पहुंच सकता है। बुधवार को इसके होंशू के दक्षिणी तट के साथ उत्तर-पूर्व दिशा में बढ़ते हुए शिकोकू और कांतो क्षेत्रों के करीब पहुंचने की संभावना है।

तूफान के केंद्र के उत्तर और पूर्व में घने वर्षा बादल मौजूद होने के कारण उसके पहुंचने से पहले ही व्यापक क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में मूसलाधार वर्षा की भी आशंका है।

पिछले 24 घंटों में कागोशिमा प्रांत के अमागी कस्बे में 209.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो जून महीने के लिए अब तक का रिकॉर्ड है।

page 1 and 8 June 3_page 1 Mar 25 final ds.qxd 6/3/2026 12:58 AM Page 2

स्थानीय समाचार

गर्मियों में ठंडक की रोज़ाना खुराक डाबर रीयल कोकोनट वाटर

जम्मू और कश्मीर 02 जून 2026। देश भर में बढ़ते तापमान को देखते हुए, भारत की प्रमुख आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर को हाइड्रेटेड रहने के एक बेहतरीन प्राकृतिक समाधान के रूप में पेश किया है। बेहतरीन नारियलों से तैयार इस नारियल पानी में अलग से कोई चीनी नहीं मिलाई गई है और यह प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर है।

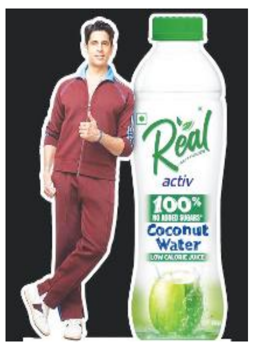

बाजार में मौजूद ज्यादा चीनी वाले कोल्ड ड्रिंक्स और सोडा के मुकाबले, कंपनी ने इसे एक फैट-फ्री और लो-कैलोरी ड्रिंक के तौर पर एक बेहतरीन विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है।

डाबर इंडिया लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट- मार्केटिंग, श्री मयंक कुमार ने कहा, रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर गर्मियों का एक परफेक्ट साथी है, जो शरीर को नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स देकर थकान दूर करता है और पानी की कमी पूरी करता है। इसमें अलग से चीनी नहीं मिलाई गई है, इसलिए आप इसे बिना किसी फिक्र के पी सकते हैं। इसके प्राकृतिक शीतलन गुण पाचन में सहायता करके और त्वचा की नमी को बनाए रखकर गर्मियों में स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं। अब इसे अधिकतम सुविधा के लिए नए रूप में पेश किया गया है, जिसके विभिन्न पैक साइज यह सुनिश्चित करते हैं कि चलते-फिरते उपभोक्ताओं के लिए यह ताज़गी भरा और स्वास्थ्यवर्धक विकल्प कभी भी और कहीं भी उपलब्ध हो सके।

भीषण गर्मी के दौरान, ज्यादातर लोग अनजाने में चीनी से भरे कोल्ड ड्रिंक्स और सोडा पीने लगते हैं, जबकि उन्हें यह एहसास नहीं होता कि इसके हर गिलास में लगभग 5 क्यूब्स चीनी होती है। इसके विपरीत, नो एडेड शुगर वाला रियल एक्टिव कोकोनट वॉटर ताजगी और हाइड्रेशन देता है। इसमें नारियल पानी की शुद्धता और प्राकृतिक इलेक्ट्रोलाइट्स मौजूद हैं। हमारा लक्ष्य उपभोक्ताओं को एक सुविधाजनक, स्वच्छ और प्राकृतिक ड्रिंक उपलब्ध कराना है, जो उनके एक्टिव लाइफस्टाइल में पूरी तरह फिट बैठ सके—चाहे वे जिम में हों, ऑफिस में हों या फिर सफर कर रहे हों।

जनजातीय कार्य मंत्रालय और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने पूरे भारत में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में 75 स्पेस लैब स्थापित किए

नई दिल्ली,2 जून। जनजातीय छात्रों के बीच वैज्ञानिक शिक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से एक ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार ने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के सहयोग से 18 राज्यों में स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) में 75 स्पेस लैब सफलतापूर्वक स्थापित किए ।

इस पहल को बीपीसीएल के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहयोग के माध्यम से लागू किया गया है जिसमें लगभग ₹12 करोड़ का निवेश किया गया है। यह पहल दोनों संस्थानों की इस साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करती है कि वे जनजातीय युवाओं के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देंगे और उनमें वैज्ञानिक सोच विकसित करेंगे। जनजातीय कार्य मंत्रालय, अनुसूचित जनजाति के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा प्रदान करने के लिए ईएमआरएस का संचालन करता है ताकि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें और विभिन्न क्षेत्रों में सार्थक करियर बना सकें। पढ़ाई के साथ-साथ ये स्कूल सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं जिसमें स्वास्थ्य, पोषण और व्यक्तित्व विकास शामिल है। वर्तमान में, पूरे देश में 499 ईएमआरएस संचालन में हैं जो जनजातीय शिक्षा के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में काम कर रहे हैं। नई स्थापित स्पेस लैब को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वे छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) के क्षेत्रों में प्रायोगिक अध्ययन के अवसर प्रदान कर सकें। उन्नत वैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और इंटरैक्टिव अध्ययनउपकरण उपलब्ध कराकर इस पहल का उद्देश्य जनजातीय समुदायों के युवा शिक्षार्थियों में जिज्ञासा, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना है। इस प्रोजेक्ट को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा मान्यताप्राप्त एजेंसियों के माध्यम से पूरा किया गया है। हर लैब में पढ़ाई और प्रदर्शन के लिए आधुनिक सुविधाएँ मौजूद हैं जिनमें एलवीएम3 लॉन्च व्हीकल और पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट के मॉडल, पीएसएलवी, एचआरएलवी, आईआरएनएसएस और जीएसएटी मिशन के स्टैटिक मॉडल, खगोल विज्ञान से जुड़ी प्रदर्शनियाँ, टेबलटॉप वैज्ञानिक प्रदर्शन मॉडल, स्टार-ट्रैकर टेलीस्कोप, कैनसेटवर्किंग मॉडल, एसटीईएम लर्निंग किट और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर आधारित खास शैक्षिक संसाधन शामिल हैं। इस पहल से 50,000 से अधिक जनजातीय छात्रों को लाभ होने की उम्मीद है।यहां उन्हें ऐसे संसाधन मिलेंगे जो पहले सिर्फ खास शैक्षिक संस्थानों तक ही सीमित थे।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता की समीक्षा की

सभी जिलों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निरंतर निगरानी के निर्देश दिए

श्रीनगर, 1 जून। मुख्य सचिव अतल डुल्लू ने आज जम्मू-कश्मीर में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और भंडारण स्थिति की समीक्षा की। बैठक में विशेष रूप से पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी और सार्वजनिक उपभोग तथा आगामी पर्यटन एवं तीर्थयात्रा के व्यस्त मौसम के लिए जरूरी अन्य आवश्यक वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

समीक्षा बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि उत्पादन विभाग, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के आयुक्त सचिव, सूचना विभाग के आयुक्त सचिव, शिक्षा विभाग के आयुक्त सचिव, जम्मू और कश्मीर के संभागीय आयुक्त, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, तेल विपणन कंपनियों के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

मुख्य सचिव ने जम्मू-कश्मीर में पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी और उर्वरकों सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित विभागों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए निर्धारित एलपीजी का व्यावसायिक उपयोग न हो और ऐसी अनियमितताओं को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जाए।

उन्होंने सभी पात्र लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने के महत्व पर भी बल दिया ताकि वे बिना किसी रुकावट के सब्सिडी प्राप्त करते रहें। मुख्य सचिव ने सभी जिलों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी पंजीकरण के लाभ और आवश्यकताओं के बारे में पर्याप्त जानकारी मिल सके।

मुख्य सचिव ने जिला प्रशासनों से आवासीय संस्थानों, अस्पतालों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता की नियमित समीक्षा करने को कहा। इसके अतिरिक्त उन्होंने उपायुक्तों को केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न परियोजना स्थलों और कार्यस्थलों पर रहने वाले प्रवासी श्रमिकों के लिए आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता की समीक्षा करने के निर्देश दिए, ताकि समाज के किसी भी वर्ग को असुविधा का सामना न करना पड़े।

आर्थिक गतिविधियों और जनकल्याण को समर्थन देने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव कृषि उत्पादन विभाग डॉ. आशीष चंद्र वर्मा ने दोनों संभागों में उर्वरकों की उपलब्धता की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि विभाग इनके तर्कसंगत और समान वितरण को सुनिश्चित कर रहा है।

उन्होंने जिला प्रशासनों से किसानों के बीच 'खेत बचाओ अभियान' के बारे में जागरूकता बढ़ाने का आग्रह किया। यह एक प्रमुख पहल है जिसका उद्देश्य यूरिया जैसे नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना और संतुलित एनपीके उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देना है, जिनमें उचित अनुपात में पोषक तत्व मौजूद होते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि यह अभियान जैविक खेती और जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देकर मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार और दीर्घकालिक कृषि स्थिरता को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने बाजार से नकली और घटिया कीटनाशकों की बिक्री और उपयोग समाप्त करने के लिए जिला प्रशासन से सहयोग भी मांगा, क्योंकि ऐसे उत्पाद कृषि उत्पादकता और फसल स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के आयुक्त सचिव सौरभ भगत ने बैठक को विभाग की निगरानी प्रणाली के बारे में जानकारी दी,

जावेद राणा ने त्रेहगाम विधानसभा क्षेत्र के विकास संबंधी मुद्दों की समीक्षा की

अधिकारियों को परियोजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन और प्रभावी जनसेवा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

श्रीनगर, 2 जून। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने आज यहां सिविल सचिवालय में एक बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें विधायक मीर सैफुल्लाह द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले त्रेहगाम विधानसभा क्षेत्र से संबंधित विकास कार्यों और मुद्दों की समीक्षा की गई।

बैठक का आयोजन त्रेहगाम, कुपवाड़ा में चल रही विभिन्न आधारभूत संरचना और जनकल्याण परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने तथा क्षेत्र में विकास कार्यों को तेज करने के उपायों पर चर्चा करने के लिए किया गया था। संबंधित विधायक द्वारा उठाए गए पेयजल आपूर्ति, सड़क संपर्क, सार्वजनिक आधारभूत संरचना तथा अन्य क्षेत्रों की आवश्यकताओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक के दौरान मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा संचालित चल रही और प्रस्तावित परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और जनता को प्रभावित करने वाले मुद्दों के त्वरित समाधान के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

जावेद राणा ने संतुलित और समावेशी विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि लोगों की आकांक्षाओं और वास्तविक चिंताओं का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को विकास कार्यों की प्रगति में बाधा उत्पन्न करने वाली समस्याओं की पहचान करने और उनके समाधान के लिए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जनकल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और उन्होंने सेवा वितरण में अधिक जवाबदेही, संवेदनशीलता और दक्षता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने संबंधित विभागों को परियोजनाओं की नियमित निगरानी बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि विकास का लाभ बिना किसी देरी के जमीनी स्तर तक पहुंचे।

विधायक मीर सैफुल्लाह ने अपने विधानसभा क्षेत्र से जुड़े कई मुद्दों और विकास संबंधी आवश्यकताओं को उठाया तथा उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की।

बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा मुख्यालय में महिलाओं की शिकायतें सुनी गईं

जम्मू, 02 जून (हि.स.)। भाजपा की प्रदेश महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी संजिता डोगरा ने मंगलवार को कच्ची छावनी स्थित पंडित प्रेमनाथ डोगरा भवन में महिलाओं के लिए आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में उनकी समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में जम्मू के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं और उन्होंने अपनी व्यक्तिगत तथा सामाजिक समस्याओं से जुड़े मुद्दे उठाए। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं ने पेंशन, राशन कार्ड, स्वास्थ्य सुविधाओं, पेयजल आपूर्ति, बिजली, शिक्षा तथा अन्य पारिवारिक और सामाजिक मामलों से संबंधित शिकायतें प्रस्तुत कीं। प्राप्त शिकायतों को दर्ज कर संबंधित विभागों के समक्ष उठाने और उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

इस अवसर पर संजीता डोगरा ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं को सुनना और उन्हें संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाना उनके लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

डीसी पुलवामा ने 33वीं एनसीओआरडी बैठक की अध्यक्षता की; जिले में नशा विरोधी उपायों की समीक्षा की

पुलवामा, 02 जून। उपायुक्त (डीसी) पुलवामा, डॉ. बशारत कयूम ने आज सर्किट हाउस पुलवामा में नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) की 33वीं बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें जिले में चलाए जा रहे नशा विरोधी अभियान के तहत हुई प्रगति की समीक्षा की गई तथा नशे के दुरुपयोग और अवैध खेती पर रोक लगाने के लिए लागू विभिन्न उपायों का आकलन किया गया।

बैठक की शुरुआत में अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) पुलवामा ने नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने इसके उद्देश्यों, प्रमुख हस्तक्षेपों और जिले भर में चलाए जा रहे 100 दिवसीय विशेष अभियान के तहत संचालित गतिविधियों पर प्रकाश डाला। प्रस्तुति में जागरूकता कार्यक्रमों, सामुदायिक भागीदारी, रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और विभिन्न विभागों द्वारा प्रवर्तन उपायों पर विशेष ध्यान दिया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने सभी विभागों और संबंधित पक्षों की सराहना की कि उन्होंने 19 मई को पुलवामा में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में आयोजित मेगा पदयात्रा को सफल बनाया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और नशे के खिलाफ सामूहिक संकल्प को मजबूत किया।

डीसी ने सभी विभागों से 100 दिवसीय अभियान के तहत तैयार कार्ययोजना के कार्यान्वयन पर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट मांगी। उन्होंने समयबद्ध तरीके से अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए निरंतर और समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा करते हुए डॉ. कयूम ने सभी तहसीलदारों से अवैध खेती को नष्ट करने, फील्ड कर्मचारियों को जागरूक करने, नंबरदारों और चौकीदारों की सक्रिय भागीदारी तथा जमीनी स्तर पर चलाए गए जागरूकता कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी। तहसीलदारों ने जानकारी दी कि फील्ड कर्मचारियों से गांवों को अवैध पोस्ता खेती से मुक्त घोषित करने के प्रमाणपत्र प्राप्त हुए हैं। डीसी ने उन्हें सत्यापन समितियां गठित करने और अंतिम प्रमाणन से पहले जमीनी स्तर पर पुनः सत्यापन करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने पंचायत स्तर पर चल रही गतिविधियों की भी समीक्षा की और सहायक आयुक्त विकास तथा खंड विकास अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित जनभागीदारी कार्यक्रमों, जागरूकता अभियानों और संपर्क कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को गतिविधियां तेज करने, व्यापक कार्ययोजना तैयार करने और पंचायतों में अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने शैक्षणिक संस्थानों और स्वास्थ्य केंद्रों में चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी।

डीसी रामबन ने यात्रा मार्ग पर सुविधाओं का निरीक्षण किया, तैयारियों की समीक्षा की

रामबन, 02 जून। उपायुक्त रामबन मोहम्मद इलियास खान ने आज वार्षिक श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 की तैयारियों के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग-44 का व्यापक निरीक्षण किया तथा रामबन और आसपास के क्षेत्रों में आवास एवं अन्य सुविधाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अरुण गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त वरुणजीत सिंह चरक तथा अन्य जिला अधिकारी भी उनके साथ मौजूद थे।

दौरे के दौरान उपायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और तीर्थयात्रियों तथा सुरक्षा कर्मियों के लिए विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं का आकलन किया ताकि वार्षिक यात्रा का सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बिजली और प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता और शौचालय सुविधाएं, चिकित्सा सुविधाएं, जल निकासी व्यवस्था तथा आवासीय व्यवस्थाओं सहित आवश्यक सेवाओं और आधारभूत ढांचे की स्थिति की समीक्षा की।

उपायुक्त ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ विचार-विमर्श कर सुरक्षा तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने निगरानी और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए प्रस्तावित स्थानों का निरीक्षण किया, जिनमें सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और अन्य सुविधाएं शामिल हैं, ताकि यात्रा अवधि के दौरान तीर्थयात्रियों की सुरक्षित और सुगम आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।

सभी तैयारियों को समय पर पूरा करने के महत्व पर जोर देते हुए उपायुक्त ने संबंधित विभागों को चल रहे कार्यों में तेजी लाने और यात्रा शुरू होने से पहले सभी सुविधाओं को पूरी तरह चालू करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय बनाए रखने और सभी आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि श्री अमरनाथ जी यात्रा-2026 पर आने वाले श्रद्धालुओं को उनकी पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षित, सुगम और आरामदायक अनुभव मिल सके।

सांसद गुलाम अली खाताना ने बनिहाल में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया, विकास और जनसमस्याओं की समीक्षा की

रामबन, 02 जून। राज्यसभा सांसद गुलाम अली खाताना ने आज बनिहाल का दौरा किया और बनिहाल तथा रामसू उपमंडलों के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की शिकायतों और विकास संबंधी चिंताओं को सुनने तथा उनके समाधान के लिए एक जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों, नगर समिति बनिहाल और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों तथा मांगों को सामने रखा।

सभा को संबोधित करते हुए सांसद ने विशेष रूप से रामबन जिले के दूरदराज और उपेक्षित क्षेत्रों में सक्रिय, पारदर्शी और जनकेंद्रित प्रशासन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे जनसेवा को समाज के वंचित वर्गों के उत्थान का अवसर समझें तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ गरीब और पात्र लोगों तक बिना देरी के पहुंचाना सुनिश्चित करें।

सांसद ने जनता को उनकी वास्तविक समस्याओं के समाधान और विकास पहलों में तेजी लाने के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रमुख आधारभूत परियोजनाओं में बाधा बनने वाली समस्याओं की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाना चाहिए ताकि परियोजनाएं समय पर पूरी हो सकें।

जनता द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दों में जल जीवन मिशन (जेजेएम) परियोजनाओं को पूरा करना, स्कूलों में स्टाफ की कमी दूर करना, शैक्षणिक संस्थानों का उन्नयन, सड़क संपर्क, खारी और मंगीत के लिए एंबुलेंस सुविधा, स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की नियुक्ति, स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना, नील में पर्यटन आधारभूत ढांचे का विकास, खारी और पोगल-परिस्तान में डिग्री कॉलेज की स्थापना, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के लंबित भुगतान जारी करना, पंचायत घर चमलवास की मरम्मत तथा मिशन युवा ऋण आवेदनों में तेजी लाना शामिल था।

सांसद ने संबंधित अधिकारियों को जन शिकायतों का समयबद्ध समाधान करने के निर्देश दिए तथा संबंधित विभागों से मौके पर ही जवाब मांगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को दूरदराज और उपेक्षित क्षेत्रों में डॉक्टरों की रोटेशन प्रणाली के तहत तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। युवाओं के सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए सांसद ने रोजगार सृजन पर जोर दिया तथा अधिकारियों को स्वरोजगार और आजीविका योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने नशे की बढ़ती समस्या पर भी चिंता व्यक्त की और युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। इस अवसर पर एसडीएम मोहम्मद नसीब बजरान, एसडीपीओ शेराज अहमद, सीएमओ डॉ. कमल जादू, पीएमजीएसवाई, पीडब्ल्यूडी, पीडीडी और जल शक्ति विभागों के कार्यकारी अभियंता, एसडीपीओ, तहसीलदार तथा अन्य जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।